RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः131, मंगलवार , 20 मई 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

सरस्वती शिशु मंदिर केवल एक विद्यालय नहीं, बल्कि संस्कारों की पाठशाला हैः राधामोहन 03

स्वतंत्रता सेनानी पं. राजकुमार शुक्ला के जयंती समारोह में शामिल होने ... 04

हर उस दिल की धड़कन के साथ हू जो हमारे देश के लिए धड़कती है ... 07

बिहार पहुंच रहे चीन के घातक हथियार, बढ़ेगा खतरा

● अहमद अंसारी ने किए खुलासे तो मच गया है हड़कंप ● नागालैंड और दीमापुर से जुड़े तार, बड़ा वाला खुलासा

मुजफ्फरपुर (एजेंसी)। एनआईए की जांच में एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। नागालैंड के रास्ते चीन से घातक हथियार बिहार पहुंच रहे हैं। इस मामले में अहमद अंसारी, विकास कुमार और देवमनी राय शामिल हैं। ये सभी दीमापुर के रणजीत दास से जुड़े हुए हैं। एनआईए हथियारों की सप्लाई चेन की गहराई से जांच कर रही है। उन्हें शक है कि

एके-47 जैसे हथियार चीन से नागालैंड लाए जा रहे हैं। दरअसल, एनआईए म्यांमार के रास्ते विदेशी एके-47 को नागालैंड लाने के मामले में रणजीत दास की भूमिका की जांच कर रही है। एनआईए ने अपनी चार्जशीट में इसका जिक्र किया है। एनआईए को शक है कि चीन से अवैध हथियारों की खेप नागालैंड लाई जा रही है। एनआईए इस बात की भी जांच कर रही है कि क्या ये लोग सेना और आईपीएस अफसरों को मिलने वाली ग्लॉक पिस्टल की तस्करी भी कर रहे थे। जांच में पता चला है कि अहमद अंसारी, विकास कुमार, सत्यम और देवमनी राय एके-47 के अलावा विदेशी पिस्टल भी सप्लाई करते थे। विकास और उसके साथियों से विदेशी पिस्तौल की तस्वीरें मिली हैं।

25 मई को कच्छ के भुज में पीएम मोदी भरेंगे हुंकार

● 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद गुजरात में करेंगे पहली सार्वजनिक सभा

अहमदाबाद (एजेंसी)। पहलगाम हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर से आतंकवादियों के आकाओं को कड़ा जवाब देने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिन के गुजरात दौरे पर आएंगे। पीएम मोदी के अहमदाबाद, दाहोद और कच्छ के भुज जाने की संभावना है। पीएम मोदी कच्छ के भुज में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करेंगे। इसकी तैयारियां भी शुरू कर दी गई हैं। सूत्रों के अनुसार जल्द ही पीएम मोदी का आधिकारिक कार्यक्रम रिलीज हो जाएगा। इसे अंतिम तौर पर फाइनल किया जा रहा है। पीएम मोदी पिछले साल दीवाली पर कच्छ पहुंचे थे तब उन्होंने सरक्रीक के पास हरामी नाला के नजदीक सैनिकों के साथ दिवाली मनाई थी। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पिछले हफ्ते भुज एयरबेस का दौरा किया था। पाकिस्तान के साथ सीजफायर के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुद्ध पूर्णिमा पर राष्ट्र को संबोधित किया था। इसके बाद वह जाब के आदमपुर एयरबेस पहुंचे थे। वहां से पीएम मोदी ने पाकिस्तान को कड़ा संदेश दिया था। अब पीएम मोदी अपने गृह राज्य गुजरात पाकिस्तान को कड़ा संदेश दे सकते हैं। गुजरात में कच्छ-बनासकांठा और पाटण जिले पाकिस्ता की सीमा वाले जिले हैं। सैन्य संघर्ष के दौरान इन जिलों पाकिस्तान ने ड्रोन से हमला किया था।

भारत के खिलाफ 'तीसरा फ्रंट' खोलने की है तैयारी

● पाकिस्तान के यार खलीफा एर्दोगन का 'स्पेस पोर्ट' वाला प्लान

अंकारा/इस्लामाबाद (एजेंसी)। भारत के साथ संघर्ष के दौरान तुर्की ने खुलकर पाकिस्तान का समर्थन किया था। तुर्की ने भारत और पाकिस्तान के बीच अपना खेमा चुन लिया है। लेकिन तुर्की को लेकर ताजा रिपोर्ट्स में कहा गया है कि राष्ट्रपति रेचेप तैय्यप एर्दोगन की नजरें चीन की तरह ही हिंद महासागर में टिकी हुई हैं और इसके लिए वो अंतरिक्ष में बैलिस्टिक मिसाइल की टेस्ट के लिए एक स्पेसपोर्ट बनाने के लिए जगह खोज रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि तुर्की कथित तौर पर हॉर्न ऑफ अफ्रीका के सोमालिया से स्पेसपोर्ट बनाने

के लिए बात कर रहा है। इसके जरिए तुर्की की कोशिश ना सिर्फ हॉर्न ऑफ अफ्रीका में अपना प्रभाव बढ़ाना है, बल्कि स्पेस टेक्नोलॉजी को विस्तार देते हुए सोमालिया में बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च पैड बनाना है। तुर्की इसके जरिए सोमालिया में स्थिति रणनीतिक भौगोलिक स्थिति का फायदा उठाना चाहता है। हालांकि तुर्की का ये प्रोजेक्ट सीधे तौर पर भारत को प्रभावित नहीं करता है, लेकिन पाकिस्तान की मदद के लिए जिस तरह से तुर्की खड़ा रहा है, वो भविष्य में नये खतरे का दरवाजा खोलता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भविष्य में पाकिस्तान तुर्की के साथ स्पेस बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम में शामिल हो सकता है और यहां से भारत के लिए सीधी परेशानी शुरू होगी।

अबकी जमकर बरसेंगे बदरा, होगा पानी-पानी!

बेंगलुरु (एजेंसी)। मौसम ने एक बार फिर करवट ली है और देश के कई हिस्सों में भारी बारिश हुई है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) का कहना है कि बरसात अभी जारी रहने वाली है। इसके मुताबिक, मई के अंत में मौसम में फिर से बदलाव की संभावना है, क्योंकि विभिन्न वायुमंडलीय प्रणालियां सक्रिय हो रही हैं। 21 मई के आसपास अरब सागर में कर्नाटक तट के पास ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण बनने की संभावना है। इसके प्रभाव से 22 मई को निम्न दबाव का क्षेत्र विकसित हो सकता है, जो उत्तर की ओर बढ़ते हुए और तीव्र हो सकता है। इससे कर्नाटक, गोवा, और महाराष्ट्र के

बाढ़ और आंधी की चेतावनी, मौसम की मार जारी

तटीय क्षेत्रों में भारी बारिश होगी। आंधी के साथ बाढ़ और जलभराव का खतरा बढ़ सकता है। इसके अलावा, एक ताजा पश्चिमी विक्षोभ भी तैयार हो रहा है। इसके चलते पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश में बारिश और बर्फबारी की संभावना है। राजस्थान, पंजाब से लेकर मध्य प्रदेश और उत्तर भारत में बारिश व गरज-चमक के साथ तूफान की आशंका है। महाराष्ट्र और बंगाल की खाड़ी में मौजूद चक्रवाती सर्कुलेशन से मध्य और दक्षिण भारत में बारिश हो सकती है। उत्तर-पूर्वी राज्यों जैसे असम और पश्चिम बंगाल में भारी बारिश की संभावना है। मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और कर्नाटक में मध्यम से भारी बारिश हो सकती है। इसके चलते रबी फसलों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है, लेकिन अत्यधिक बारिश से बाढ़ और फसलों को नुकसान होने का जोखिम भी है। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में रात भर हुई भारी बारिश की वजह से विभिन्न इलाके बुरी तरह प्रभावित हुए हैं।

सड़कों पर जगह जगह पानी भर गया है और कई आवासीय इलाके जलमग्न हो गए हैं। शहर में अभी और बारिश के आसार हैं। आईएमडी के अनुसार, पिछले 24 घंटों में बेंगलुरु में 103 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

माफी नामंजूर, लेकिन गिरफ्तारी पर रहेगी रोक

● एमपी के मंत्री विजय शाह मामले में सुप्रीम कोर्ट ने खूब सुनाया

कहा-आपके बयानों से पूरा देश शर्मसार है, हमने वीडियो देखे हैं

नई दिल्ली/भोपाल (एजेंसी)। कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर विवादित बयान देने वाले मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह की माफी सुप्रीम कोर्ट ने नामंजूर कर दी है। कोर्ट ने मामले की जांच के लिए एसआईटी बनाने का निर्देश दिया है। हालांकि कोर्ट ने उनकी गिरफ्तारी पर भी रोक लगा दी है। शाह के वकील ने कहा कि उनके क्लाइंट ने माफी मांग ली है। इस पर कोर्ट ने उन्हें फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि आप लोगों के सामने पूरी तरह बेनकाब हो चुके हैं। आप पब्लिक फिगर हैं। आपको बोलते समय अपने शब्दों पर विचार करना चाहिए।

इसके बाद कोर्ट ने मामले की जांच के लिए स्पेशल इन्वेस्टीगेशन टीम बनाने के आदेश दिए। इसमें तीन आईपीएस अधिकारी होंगे, जिनमें एक आईजी और बाकी दो एसपी लेवल के अफसर होंगे। इनमें एक अधिकारी महिला होना अनिवार्य होगा। सभी अफसर मध्य प्रदेश कैडर के हो सकते हैं, लेकिन राज्य के मूल निवासी नहीं होने चाहिए। एसआईटी 28 मई तक स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करेगी। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने 14 मई को शाह के बयान पर नोटिस लेते हुए एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया था। कोर्ट के आदेश पर उनके खिलाफ इंदौर के महू थाने में एफआईआर दर्ज की गई थी। इसके खिलाफ शाह सुप्रीम कोर्ट पहुंचे हैं। जस्टिस सूर्यकांत और एन कोटिश्वर सिंह की बेंच ने मंत्री से कहा कि उन्होंने वो वीडियो देखे हैं जिसमें उन्होंने बयान दिया और माफी मांगी। अदालत ने पूछा कि यह घड़ियाली आंसू थे या कानूनी प्रक्रिया से बचने की कोशिश। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, आपके बयानों से पूरा देश शर्मसार है। हमने आपके वीडियो देखे हैं। आप बहुत गंदी भाषा का इस्तेमाल करने की कगार पर थे। लेकिन किसी तरह बुद्धि आ गई या आपको उपयुक्त शब्द नहीं मिला। आपको शर्म आनी चाहिए। पूरे देश को सेना पर गर्व है और आपने ऐसा बयान दिया।

अब सिख गुरुओं पर 'एआई' वीडियो बना घिरे ध्रुव राठी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मशहूर यूट्यूबर ध्रुव राठी एक बार फिर विवादों में फंस गए हैं। इस बार उन पर सिखों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप हैं। हरियाणा निवासी ध्रुव राठी ने द राइज ऑफ सिख शीर्षक से एआई जेनरेटेड एक वीडियो बनाया है और सोशल मीडिया पर उसे अपलोड किया है, जिस पर लोगों में भारी रोष है। पंजाब में इसका भारी विरोध हो रहा है। सिख समुदाय इसे सिख धर्मगुरु

का अपमान बता रहे हैं। लोगों ने इस कृत्य के लिए ध्रुव राठी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। दूसरी तरफ, दिल्ली सरकार में मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक लंबा पोस्ट लिखकर इसकी निंदा की है। उन्होंने लिखा है, मैं ध्रुव राठी के हालिया वीडियो सिख योद्धा जिसने मुगलों को भयभीत कर दिया की निंदा करता हूं।

संभल जामा मस्जिद के सर्वे का रास्ता हुआ साफ

हाईकोर्ट से मुस्लिम पक्ष को झटका, याचिका खारिज

संभल (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने संभल जामा मस्जिद के एएसआई सर्वे पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है और एएसआई सर्वे के आदेश के खिलाफ इंतजामिया कमेटी की पुनरीक्षण याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट ने कहा कि सर्वे कमिश्नर के लिए अर्जी देने के साथ इस मामले में दीवानी वाद भी पोषणीय है। कोर्ट ने इंतजामिया कमेटी के इस तर्क को भी स्वीकार नहीं किया कि दीवानी मुकदमा 1991 के पूजा स्थल अधिनियम के प्रावधानों से बाधित है। यह आदेश न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल ने सोमवार को खुली अदालत में सुनाया। कोर्ट ने जामा मस्जिद इंतजामिया कमेटी, हरि शंकर जैन और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के वकीलों को सुनने के बाद गत 13 मई को निर्णय सुरक्षित कर लिया था। जामा मस्जिद की इंतजामिया कमेटी की पुनरीक्षण याचिका में संभल की दीवानी अदालत के आदेश को चुनौती दी गई थी। दीवानी अदालत ने अधिवक्ता आयुक्त के माध्यम से पुरातात्विक सर्वेक्षण के साथ वाद को कायम रखने का भी निर्देश दिया था। हरि शंकर जैन और सात अन्य ने सिविल जज सीनियर डिवीजन संभल की अदालत में दीवानी मुकदमा दाखिल कर कहा कि संभल में जामा मस्जिद एक मंदिर को ध्वस्त करने के बाद बनाई गई थी। यह भी कि मस्जिद मुगल सम्राट बाबर ने 1526 में संभल में हरिहर मंदिर को ध्वस्त करने के बाद बनवाई थी। हाईकोर्ट ने पहले मूल वाद की दीवानी अदालत की आगे की कार्यवाही पर अगली तारीख तक रोक लगा दी थी।

भारत धर्मशाला नहीं, जहां दुनिया भर के शरणार्थी घुस आएं

सुप्रीम कोर्ट ने दिखाया आईना, कहा-हम खुद 140 करोड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत कोई धर्मशाला नहीं है, जहां दुनिया भर से शरणार्थी आएं और बसते चले जाएं। सुप्रीम कोर्ट ने एक श्रीलंकाई तमिल की याचिका को खारिज करते हुए यह टिप्पणी की। जस्टिस दीपांकर दत्ता ने कहा कि हमारी तो अपनी ही आबादी 140 करोड़ से ज्यादा है। ऐसे में क्या भारत दुनिया भर के शरणार्थियों का अपने यहां स्वागत कर सकता है। यह कोई धर्मशाला तो नहीं है, जहां हम दुनिया भर से आए लोगों का स्वागत करें। इसके साथ ही उन्होंने श्रीलंकाई तमिल शख्स को हिरासत में लिए जाने के मामले में दखल से इनकार कर दिया। श्रीलंकाई तमिल शख्स ने खुद को हिरासत में लिए जाने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की थी, जिसमें दखल से शीर्ष अदालत ने साफ इनकार कर दिया। जस्टिस दीपांकर दत्ता के नेतृत्व वाली बेंच में जस्टिस के. विनोद चंद्रन भी शामिल थे। श्रीलंकाई तमिल ने मद्रास हाई कोर्ट के उस फैसले के खिलाफ अर्जी दाखिल की थी, जिसमें कहा गया था कि अपनी 7 साल की सजा पूरी होने के तुरंत

बाद वह देश से निकल जाए। शख्स को एक केस में 7 साल कैद की सजा मिली थी। लेकिन श्रीलंकाई तमिल ने सजा पूरी होने के बाद भारत में ही रहने की इच्छा जाहिर की। उसके वकील ने अदालत से कहा कि मेरा मुवक्किल वीजा लेकर भारत आया था। अब यदि वह अपने देश वापस गया तो फिर उसकी जान को खतरा होगा। उन्होंने कहा कि शख्स को बिना किसी डिपोर्टेशन की प्रक्रिया के ही करीब तीन सालों से हिरासत में रखा गया है। इस पर जस्टिस दीपांकर दत्ता ने कहा, आखिर आपका यहां बसने का क्या अधिकार है। इस पर याची के वकील ने कहा कि वह एक शरणार्थी हैं और उनके बच्चे एवं पत्नी पहले से ही भारत में सेटल हैं। इस पर जस्टिस दत्ता ने कहा कि याची को भारत छोड़ने का आदेश देने में किसी भी तरह से आर्टिकल 21 का उल्लंघन नहीं हुआ है। जस्टिस दत्ता ने कहा कि आर्टिकल 19 के तहत भारत में बसने का अधिकार सिर्फ यहां के नागरिक को ही है। किसी भी बाहरी व्यक्ति के पास कोई अधिकार नहीं है।

● रोहिंग्या रिफ्यूजी वाली अर्जी भी सुप्रीम कोर्ट ने की थी खारिज

बता दें कि रोहिंग्या रिफ्यूजियों के मामले में भी हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने दखल देने से इनकार कर दिया था। दरअसल याची को 2015 में लिट्टे से जुड़े होने के आरोप में अरेस्ट किया गया था। 2018 में शख्स को ट्रायल कोर्ट ने दोषी करार दिया था और 10 साल की कैद की सजा दी थी। इस फैसले के खिलाफ उसने हाई कोर्ट में अपील की थी, जिसके बाद उसकी सजा 7 साल हो गई। इसके साथ ही यह आदेश भी उच्च न्यायालय ने दिया था कि वह सजा पूरी होते ही देश छोड़ देगा। अब देश छोड़ने के फैसले के खिलाफ याची ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया, लेकिन अदालत ने राहत देने से साफ इनकार कर दिया।

बांग्लादेशी घुसपैठियों को जल्द खोजें, जांच कर बाहर निकालें

केंद्र सरकार ने सभी राज्यों को दी 30 दिन की मोहलत

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृह मंत्रालय (एमएचए) ने बांग्लादेश और म्यांमार से आए उन संदिग्ध अवैध प्रवासियों की पहचान और उनके दस्तावेजों की जांच के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को 30 दिन की समय सीमा दी है, जो स्वयं को भारतीय नागरिक बताते हैं। मंत्रालय के निर्देशों के अनुसार, यदि 30 दिनों के भीतर उनके दस्तावेजों की पुष्टि नहीं होती, तो उन्हें देश से निर्वासित कर दिया जाएगा। इस महीने जारी किए गए निर्देशों में, गृह मंत्रालय ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को अपने वैधानिक अधिकारों का उपयोग करके अवैध प्रवासियों की पहचान, जांच और निर्वासन की प्रक्रिया शुरू करने को कहा है। साथ ही, मंत्रालय ने सभी राज्यों को जिला स्तर पर पर्याप्त हिरासत केंद्र (डिटेंशन सेंटर) स्थापित करने

के निर्देश दिए हैं, जहां निर्वासन की प्रक्रिया पूरी होने तक संदिग्ध प्रवासियों को रखा जाएगा। यह कदम केंद्र सरकार की उस नीति का हिस्सा है, जिसके तहत बांग्लादेश और म्यांमार से आए अवैध प्रवासियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, गृह मंत्रालय ने अपने निर्देशों में कहा है कि सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को बांग्लादेशी नागरिकों और रोहिंग्या प्रवासियों का रिकॉर्ड रखना होगा, जिन्हें सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और तटरक्षक बल को निर्वासन के लिए सौंपा जाता है। इसके अलावा, हर महीने की 15 तारीख को इस संबंध में केंद्र सरकार को एक रिपोर्ट सौंपना अनिवार्य होगा। मंत्रालय ने ब्यूरो ऑफ इमिग्रेशन को भी निर्देश दिए हैं कि निर्वासित व्यक्तियों की सूची एक पोर्टल पर प्रकाशित की जाए। यह डेटा आधार नंबर, मतदाता पहचान पत्र और पासपोर्ट जारी करने से रोकने के लिए है।

यूट्यूबर ज्योति एनआईए की हिरासत में, टेरर कनेक्शन में होगी पूछताछ

● आतंकी हमले से पहले पहलगाम-पाकिस्तान गई थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में गिरफ्तार यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा को राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने हिरासत में ले लिया है। एनआईए की टीम सोमवार को ज्योति से पूछताछ करने हिसार पहुंची थी। इसके बाद उसे हिरासत में लेकर चंडीगढ़ ले गई। अब ज्योति से टेरर लिंक को लेकर पूछताछ की जाएगी। इसके साथ जम्मू इंटेलीजेंस भी यूट्यूबर से पूछताछ करेगी। इससे पहले यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा का इंस्टाग्राम अकाउंट बैन कर दिया गया। उसके 1.39 लाख फॉलोअर्स थे। रविवार, 18 मई की रात को भी हिसार पुलिस ज्योति के घर पहुंची थी। वहां छानबीन कर कुछ दस्तावेज जब्त किए गए हैं। हिसार पुलिस की जांच में यह भी पता चला है कि ज्योति पहलगाम हमले से पहले कश्मीर गई थी।

संक्षिप्त समाचार

बिहार में बनेंगे 22 हजार नए युवा आपदा मित्र

■ बाढ़-सुखाड़ और भूकंप के समय करेंगे मदद

पटना, एजेंसी। बिहार में आपदा प्रबंधन कार्य को और प्रभावी बनाया जाएगा। इसके लिए राज्य में 22 हजार नए युवा आपदा मित्र बनाए जाएंगे। आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से इसकी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। आपदा के समय स्थानीय प्रशासन इनकी मदद लेगा। ये बाढ़, सुखाड़, भूकंप, अगलगी, वज्रपात या अन्य आपदा के समय प्रशासन के साथ कंधा से कंधा मिलाकर काम करेंगे। इससे राहत कार्य ज्यादा लोगों तक पहुंच पाएगा। वर्तमान में बिहार में 9500 से अधिक आपदा मित्र हैं। 22200 नए युवा आपदा मित्र तैयार होने के बाद राज्य में इनकी संख्या 32 हजार हो जाएगी। इसके लिए एनसीसी, एनएसएस, नेहरू युवा केंद्र और भारत स्काउट एवं गाइड के स्वयंसेवक एवं कैडेट को प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के बाद इन्हें तीन साल का बीमा कवर भी दिया जाएगा। इनकी तैनाती होने पर स्थानीय जिला प्रशासन की ओर से इन्हें भत्ता भी दिया जाएगा। वर्तमान में 450 से 750 रुपये के बीच भत्ते का प्रावधान है। युवा आपदा मित्र राज्य के हरेक जिले में संवेदनशील स्थलों के आसपास के क्षेत्रों से होंगे। बिहार के 29 जिले बाढ़ के दृष्टिकोण से संवेनदशील हैं, इसमें से 15 अतिसंवेदनशील हैं। दक्षिण बिहार के ज्यादा जिले सुखाड़ प्रभावित हैं। राज्य का 15.20 फीसदी क्षेत्र भूकंप की दृष्टि से सर्वाधिक संवेदनशील जोन 5 में आता है।

आरसीपी सिंह ने नीतीश कुमार का छोड़ा साथ प्रशांत किशोर की पार्टी में हुए शामिल

पटना, एजेंसी। बिहार की राजनीति में एक नया समीकरण बनता दिख रहा है. लंबे समय से हाशिए पर चल रहे पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह एक बार फिर सक्रिय राजनीति में वापसी की तैयारी में हैं. कभी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सबसे करीबी सहयोगियों में गिने जाने वाले आरसीपी अब प्रशांत किशोर की अगुवाई वाली जन सुराज पार्टी के साथ नए राजनीतिक अध्याय की शुरुआत करने जा रहे हैं.

आसा बनी उम्मीद, लेकिन उम्मीदें टूटीं : 2024 में दीपावली के दिन आरसीपी सिंह ने अपनी नई पार्टी 'आसा' (आप सब की आवाज़) की घोषणा की थी. शुरुआत में लगा कि वे राज्य की राजनीति में एक नया मोर्चा खोल सकते हैं, लेकिन कुछ ही महीनों में यह पहल जमीन पर असर नहीं छोड़ सकी. सियासी गलियारों में चर्चा थी कि उनकी यह कोशिश उन्हें फिर से प्रासंगिक बनाने की थी, लेकिन वह कोशिश धूमिल होती नजर आई.

ऊंचाई से गिरावट तक: एक राजनीतिक ग्राफ : राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो आरसीपी सिंह का सियासी ग्राफ 2010 से 2021 तक लगातार ऊपर चढ़ता गया. आईएएस की नौकरी छोड़ने के बाद उन्होंने जदयू में कदम रखा और जल्दी ही नीतीश कुमार के करीबी बन गए. पार्टी में उन्होंने अध्यक्ष पद तक की जिम्मेदारी संभाली और फिर केंद्र में मंत्री भी बने. लेकिन 2021 में कैबिनेट विस्तार के दौरान नीतीश कुमार की मर्जी के बिना मंत्री बनने का आरोप उनके खिलाफ लगा. यहीं से उनके और नीतीश के रिश्तों में दरार आ गई. 2022 में उन्हें राज्यसभा से टिकट न देकर पार्टी ने संकेत दे दिया कि उनकी उपयोगिता खत्म हो चुकी है.

बीजेपी का दरवाजा खटखटाया: नीतीश से दूरी के बाद आरसीपी सिंह ने 2023 में भाजपा का दामन थामा, उम्मीद थी कि 2024 लोकसभा चुनाव में उन्हें टिकट मिल सकता है. लेकिन बीजेपी और नीतीश की सियासी नजदीकियों ने आरसीपी को फिर से दरकिनार कर दिया. उनकी राजनीतिक जमीन और विकल्प दोनों सिमटते चले गए.

अब जन सुराज के साथ नई शुरुआत : अब आरसीपी सिंह ने प्रशांत किशोर की पार्टी जन सुराज से हाथ मिलाया है. यह गठजोड़ बिहार की राजनीति में एक नई संभावनाओं की

जमीन तैयार कर सकता है. खासकर, कुर्मी वोट बैंक को ध्यान में रखते हुए इस गठजोड़ को नीतीश कुमार के लिए चुनौती माना जा रहा है.

क्या नीतीश को हो सकता है नुकसान? : राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि कुर्मी समुदाय में आरसीपी सिंह की पकड़ अब भी प्रभावशाली है. ऐसे में यदि जन सुराज इस समीकरण को भुनाने में सफल रहा, तो बिहार में आगामी विधानसभा चुनावों में नीतीश कुमार को सीधी चुनौती मिल सकती है.

बिहार जंगलराज की ओर न लौटे : प्रशांत किशोर ने आरसीपी सिंह की तारीफ करते हुए कहा कि आरसीपी सिंह के पास प्रशासनिक और संगठनात्मक अनुभव है, जो बिहार में बहुत कम लोगों के पास है। आज हम दोनों साथ आ रहे हैं, तो इसका बहुत बड़ा असर होगा। बिहार, फिर से जंगलराज की ओर नहीं लौटना चाहिए। हमारी लड़ाई भाजपा से भी है ताकि वो चोर दरवाजे से सरकार न बना सके।

नीतीश कुमार नहीं, ठेकेदार चला रहे सरकार : प्रशांत किशोर ने जेडीयू के पुराने नेताओं की सराहना करते हुए कहा कि अगर सबसे समझदार कार्यकर्ता किसी दल में है, तो वह जनता दल यूनाइटेड में है। जन सुराज में समाजवाद को जिंदा रखा जाएगा। उन्होंने नीतीश कुमार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि ÷नीतीश कुमार न सरकार चला रहे हैं, न पार्टी। आज सरकार ठेकेदार चला रहे हैं, जिनका कोई राजनीतिक अनुभव नहीं है।

तीसरे विकल्प की शुरुआत : दोनों नेताओं ने दावा किया कि बिहार में अब तीसरी राजनीतिक ताकत तैयार हो रही है जो एनडीए और महागठबंधन से अलग होगी। प्रशांत किशोर ने कहा कि लोग कहते हैं कि बिहार में दो गठबंधन हैं- एनडीए और महागठबंधन, लेकिन इन्हें बनाने में हम लोगों ने मेहनत की थी। अब हम अपना घर बनाने जा रहे हैं।

भारत की सारी पार्टियां ए टीम है

पीके ने कहा कि जेडीयू को मैंने सीएए और एनआरसी के मुद्दे पर छोड़ा था। आरसीपी सिंह के वजह से नहीं। आरसीपी सिंह से मेरा कोई मतभेद नहीं था। आज नीतीश कुमार को चार लोगो ने घेर कर रखा है। नीतीश कुमार के लेगेसी को खत्म कर रहे हैं। अगर नीतीश आज से तीन साल पहले कुर्सी छोड़ देते तो बिहार के लिए महान हो जाते। जन सुराज के बारे में कहा जाता था की भाजपा की बी टीम है, लेकिन मैं कहना चाहता हूं कि भारत की सारी पार्टियां ए टीम है।

आरसीपी टैक्स पर पलटवार

आरसीपी सिंह ने कहा कि एक वक्त में मुझ पर आरोप लगा, लेकिन आज कौन टैक्स ले रहा है। भाजपा के बड़े नेताओ से मेरा जान-पहचान था, लेकिन मुझे कोई काम नहीं दिया गया। इस वजह से हम भाजपा से अलग हो गए थे, क्योंकि मुझे काम करना था। उन्होंने कहा कि बिहार में सेमीकंडक्टर का यूनिट नहीं लगा जबकि इसके लिए बिहार सबसे उपयुक्त है। उन्होंने आगे कहा कि लोग कहते हैं कि बिहार में सिर्फ बालू है। बिहार में कोई खनिज नहीं है, लेकिन ये सब ग़लत है। जब मैं केंद्र में मंत्री था तब यह पता चला की बिहार में इतना खनिज है कि जानकर मैं उछल पड़ा था। इसकी जानकारी मैंने नीतीश कुमार को दिया था, लेकिन इसका कोई फायदा नहीं हुआ। इस पर कोई विचार नहीं किया गया। मैं भी लगातार बिहार घूम रहा हूं। आरसीपी सिंह की भूमिका जन सुराज को नेतृत्व करने वालो में से होगी। पीके ने कहा कि आरसीपी सिंह जन सुराज का नेतृत्व कर सकते हैं।

बंदर के आतंक से आतंकित है अठनिया दियारा के लोग बदल चुके हैं रास्ता

भागलपुर, एजेंसी। प्रखंड के दियारा क्षेत्र में स्थित परशुरामपुर पंचायत के अठनिया दियारा गांव में बंदरों का आतंक छाया हुआ है। लोग रास्ता बदलकर चलने को मजबूर हो गए हैं। लोगों का कहना है कि बंदर किसी के छत से या पेड़ से सीधे शरीर पर कूद जाते हैं। घरों दरवाजों पर भी अचानक हमला कर किसी को जख्मी कर देते हैं। रविवार को भी एक 25 वर्षीय युवक भूषण कुमार को हाथ में काटकर जख्मी कर दिया। पिकपप चालक मो. महफूज किसी तरह बच पाया। ग्रामीण संजय यादव, सुनील शर्मा, अमित कुमार, दीपक कुमार, राजेश आदि ने बताया कि पिछले कई महीनों से यहां बंदरों का आतंक है। यहां आठ से दस बंदरों की टोली है। उनमें से एक बंदर सड़क पर चलने वाले ट्रैक्टर, जीप, पिकअप, ऑटो आदि गाड़ियों में अगले सीट पर बैठे ड्राइवर और यात्रियों को काटकर घायल कर देते हैं। अब तक दर्जनों लोगों को जख्मी कर दिया है। जिनमें रामनगर में अवधेश कुमार यादव, रंजीत कुमार, अठनियां में शोभाकांत यादव, मंगल यादव, भूषण कुमार, चितरंजन यादव, व्यास कुमार आदि घायल हुए हैं। लोगों को दियारा स्थित अपने खेत जाने, बच्चों को पढ़ने जाने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है। रामनगर, लक्ष्मण टोला, मोहनपुर, गोविंदपुर, माधोपुर, अठनिया, खुशालपुर, बकिया आदि गांवों के लोगों में डर का माहौल बना हुआ है। लोगों की मांग है कि वन विभाग की टीम बंदरों का रेस्क्यू करे। रेंज ऑफिसर रूपम कुमार सिंह ने बताया कि अठनिया दियारा भी रेस्क्यू टीम जाएगी।टीम को कमलचक भी जाना है। इसके विशेषज्ञ डॉक्टर जो ऐसे बंदरों को ऐसे बंदरों को गन से बेहोश करते हैं। वे दो दिन की छुट्टी पर हैं। जैसे ही छुट्टी से वापस आते हैं दोनों जगह रेस्क्यू टीम भेजी जाएगी। उन्होंने कहा कि अठनिया दियारा वाला मामला भी अभी अभी ही संज्ञान में आया है।

दो पक्षों में झड़प के दौरान फायरिंग, एक घायल

हाजीपुर (वैशाली), एजेंसी। वैशाली में रविवार रात दो पक्षों के बीच विवाद के दौरान एक युवक गोली लगने से घायल हो गया। यह घटना बिदुपुर थाना क्षेत्र के जुड़ावनपुर गांव में हुई। घायल युवक की पहचान गांव के ही सुजीत कुमार (34) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, सुजीत कुमार अपने घर के पास बहुल राय और रविन्द्र राय के बीच चल रहे विवाद को देखने पहुंचे थे। इसी दौरान किसी पक्ष की चलाई गई गोली उनके बाएं पैर की जांघ में जा लगी।

स्थानीय अस्पताल से हाजीपुर सदर रेफर : गोली लगने के बाद परिजन उन्हें तुरंत बिदुपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें हाजीपुर सदर अस्पताल रेफर किया गया। उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है।

पुलिस ने दर्ज किया बयान, शुरू की जांच : बिदुपुर थाना अध्यक्ष ने बताया कि विवाद के दौरान छीना-झपटी में गोली चलने की बात सामने आई है। घायल सुजीत का बयान दर्ज कर लिया गया है और घटना की जांच जारी है। थाना अध्यक्ष पंकज कुमार ने कहा, दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। मामले की निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

दरभंगा में विधानसभा चुनाव को लेकर मिथिलावादी पार्टी की बैठक

राष्ट्रीय अध्यक्ष बोले- जनता को अपने अधिकारों के लिए खड़ा होना होगा, हमलोग संघर्ष करेंगे

दरभंगा, एजेंसी। दरभंगा में रविवार को विधानसभा चुनाव को लेकर मिथिलावादी पार्टी की बैठक हुई। इस दौरान बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने और एनडीए सरकार की विफलताओं को जनता तक पहुंचाने के लिए जनसंपर्क अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। कार्यकर्ताओं ने एनडीए को हराने और पार्टी को मजबूत बनाने का संकल्प लिया। साथ ही स्थानीय मुद्दों पर जन आंदोलन तेज किया जाएगा। मीटिंग में राष्ट्रीय अध्यक्ष अविनाश भारद्वाज, प्रदेश अध्यक्ष गोपाल चौधरी, विद्या भूषण राय समेत पार्टी के कई नेता मौजूद रहे। राष्ट्रीय अध्यक्ष अविनाश भारद्वाज ने कहा, मिथिला वर्षों से उपेक्षित रहा है। अब जनता को अपने अधिकारों के लिए खड़ा होना होगा। जब तक नौजवान को गांव में रोजगार और सम्मान नहीं मिलेगा। तब तक कोई सरकार सफल नहीं मानी जाएगी। पार्टी हर गली, पंचायत और विधानसभा में संघर्ष करेगी।

प्रदेश अध्यक्ष गोपाल चौधरी ने कहा, यह समय सजग नेतृत्व का है। मिथिलावादी पार्टी हर वर्ग की आवाज बनेगी। हम जनता से किए हर वादे को निभाएंगे। पलायन केवल आर्थिक नहीं, सांस्कृतिक और सामाजिक त्रासदी है। अब जनता को तय करना होगा कि सम्मानजनक जीवन चाहिए या पलायन की पीड़ा। मीटिंग में राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष सागर नवदिया, राष्ट्रीय महासचिव वीरेंद्र कुमार, प्रदेश सचिव रजनीश प्रियदर्शी, आदित्य मंडल, धीरज कुमार झा, गुलफाम रहमानी, शुभाष पासवान, मनीष पांडे, अमन सक्सेना, संजय झा, कन्हैया झा, सुमित माउबहेटिया, अभिषेक यादव, प्रियंका मिश्रा, प्रसून, अर्जुन दास, अभिषेक झा, छोटेलाल पांडेय, प्रियरंजन झा, राघवेंद्र रमण, शिवेंद्र वत्स, कृष्ण मोहन झा, बिमल झा, मुलायम यादव, सुधीर शर्मा, रणधीर यादव, संतोष साहू समेत विधानसभा स्तरीय कमिटी के सदस्य मौजूद रहे।

गया जी में एनकाउंटर, पिता-पुत्र हत्याकांड के मुख्य आरोपी को पुलिस ने मारी गोली

गया जी, एजेंसी। बिहार के गया जी जिले से बड़ी खबर आ रही है। यहां पुलिस और अपराधी के बीच मुठभेड़ हुई है। इस मुठभेड़ के दौरान पुलिस ने बाप-बेटे की हत्या का मुख्य आरोपी को गोली मारी है। गोली लगने से अपराधी जख्मी हो गया है। बताया जा रहा है कि फतेहपुर में पुलिस एनकाउंटर में पिता-पुत्र हत्याकांड का मुख्य आरोपी घायल हो गया है। मुख्य आरोपी का नाम नीतीश कुमार बताया जा रहा है। नितीश कुमार को पैर में गोली लगी है। घायल हालत में उसे इलाज के लिए मेडिकल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आपको बता दें कि नीतीश वजीरगंज के दखिनगांव में पिता-पुत्र हत्याकांड का मुख्य आरोपी है। नीतीश भी दखिनगांव का ही रहने वाला है। नीतीश पर पिता-पुत्र की गोली मार हत्या का आरोप है। फतेहपुर थाना क्षेत्र के तेलबीघा गांव के पास रविवार देर रात पुलिस एनकाउंटर में नीतीश को गोली लगी है। दरअसल गया जी जिले के वजीरगंज थाना अंतर्गत दखिनगांव में शनिवार की दोपहर पिता-पुत्र की हत्या मामले में एफआइआर दर्ज कर ली गई थी। एक आरोपित को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भी भेज दिया है। रविवार को वजीरगंज थाने में डीएसपी सुनिल कुमार पांडेय व थानाध्यक्ष वेंकटेश्वर ओझा ने प्रेसवार्ता कर इसकी जानकारी दी थी। उन्होंने बताया था कि भूमि विवाद में हत्या की गई है। मृतक अशोक सिंह की पुत्री बंटी कुमारी के बयान पर उसके चचेरे भाई नीतीश कुमार और अंकित कुमार, चाचा अखिलेश कुमार उर्फ गुड्डू सिंह, चाची नीतू देवी सहित अन्य अज्ञात के विरूद्ध हत्या का मामला दर्ज किया गया था। इस मामले में वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एसआइटी का गठन कर त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपित अखिलेश कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया, वह भी भागने के फिराक में था, जिसे जमुआवां से गिरफ्तार किया गया था। उक्त मामले में मुख्य आरोपित नीतीश कुमार सहीत अन्य अभी भी पुलिस के पकड़ से बाहर थे, जिसकी गिरफ्तारी के लिए संबंधित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही थी। बंटी कुमारी ने बताया था कि भाई कुणाल (मृतक) से नीतीश ने चार लाख रुपये उधार लिए थे, जो वापस मांगने पर वह उसे जान से मारने और मेरे भाई के हिस्से में मिले मकान से बाहर निकालने की धमकी भी देता था।

बंगाल के मवेशी कारोबारी से 3.50 लाख की लूट: पूर्णिया में विरोध करने पर अपराधियों ने मारी गोली

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया में सरसी थाना क्षेत्र में पश्चिम बंगाल के मवेशी कारोबारी से 3.50 लाख की लूट हुई है। विरोध करने पर कारोबारी को गोली मार दी। साथ ही 5 लोगों को पिस्टल के वट से मारकर घायल कर दिया। 6 हथियारबंद अपराधियों ने वारदात को अंजाम दिया है। कारोबारी की हालत गंभीर बनी हुई है। कमर में गोली लगी है। घायलों को जीएमसीएच में भर्ती कराया गया है। घटना डिबरी पुल के पास की है। घायल कारोबारी की पहचान मालदा जिला के संबलपुर टाल निवासी सरफुल हक(50) के तौर पर हुई है। अन्य घायल भी इसी गांव के रहने वाले हैं। जिनका नाम मो. खाबिर(46), हसमुद्दीन(50), मो. सदाब(40), अमीरूल(40) के अलावा पिकअप ड्राइवर मो. अनर(43) है।

विरोध करने पर मारा : घायल कारोबारी मो. खाबिर ने बताया कि 5 साथियों के साथ मवेशी खरीदने मालदा से बनमनखी हटिया जा रहा था। इस दौरान डिबरी पुल के समीप लाल रंग की कार ने ओवर टेक करके रोका। गाड़ी से नीचे उतरते ही फिल्मी स्टाइल में घेर लिया। 6 अपराधियों में से 3 के पास हथियार था। हथियार दिखाकर कैश निकालने को कहा। विरोध करने 2 राउंड फायरिंग की। एक गोली सरफुल हक के पेट में लग गई। गोली लगते ही वो जमीन पर गिर पड़ा। मेरे जेब से 70 हजार रुपए निकाल लिया। अन्य साथियों के पास जो भी कैश था, पिस्टल के बट से मारपीट कर सब लूट लिया। कुल 3.50 लाख की लूट हुई है।

हाट में मवेशी खरीदने नेपाल, झारखंड से कारोबारी आते हैं : वहीं, स्थानीय लोगों ने बताया कि सोमवार को बनमनखी में मवेशी हटिया लगता है। यहां बंगाल, नेपाल और झारखंड से व्यापारी मवेशी खरीदने आते हैं। बदमाश हुलिया और गाड़ी देखकर पहले व्यापारियों की रेकी करते हैं। इसके बाद लूटपाट की वारदात को अंजाम देते हैं। अधिकांश बदमाश मधेपुरा के होते हैं, जिनका कनेक्शन लोकल बदमाशों के साथ होता है।

मुजफ्फरपुर जिले में हुई लाखों की इलायची चोरी

कंटेनर ट्रक से ले उड़े चोर

मुजफ्फरपुर , एजेंसी। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में रौतनिया पेट्रोल पंप से 250 मीटर की दूरी पर 10 चक्के वाले कंटेनर ट्रक से 35 बॉक्स छोटी इलाइची चोरी के मामले में करजा और पानापुर पुलिस सीमा विवाद में उलझी है। थानेदारों का कहना है कि घटना उसके थाना क्षेत्र में नहीं है। दो दिन से पश्चिम बंगाल के हावड़ा बेलगछिया रोड निवासी कंटेनर चालक अजीत मिश्रा शिकायत दर्ज कराने के लिए चक्कर काट रहा है।

वह कभी करजा तो कभी पानापुर करियात थाने जा रहा है, जबकि पुलिस ट्रक चालक पर ही शक जता रही है। थाने में चालक की शिकायत नहीं लेने पर उसने ग्रामीण एसपी विद्या सागर से शिकायत की,

इसके बाद भी एफआईआर नहीं ली गई। अजीत मिश्रा का कहना है कि वह अहमदाबाद स्थित एक ट्रांसपोर्ट एजेंसी से 1000 बॉक्स छोटी इलाइची व अन्य सामान कंटेनर में लोड कर नेपाल बॉर्डर के पास जोगबनी स्थित ट्रांसपोर्ट एजेंसी ले जा रहा था। चालक ने बताया कि वह लगातार 12 घंटे तक गाड़ी चलाता था।

लगातार गाड़ी चलने से टायर गर्म हो जाता है। रौतनिया में पेट्रोल पंप से करीब 250 मीटर पहले गाड़ी खड़ी की और टायर चेक किया। टायर गर्म देख गाड़ी वहीं पर खड़ी कर टायर ठंडा होने का इंतजार करने लगा। इस दौरान गाड़ी के अंदर नींद आ गई। शाम करीब पांच बजे नींद खुली तो कंटेनर के पीछे वाले गेट का ताला कटा था और 35 बॉक्स इलाइची गायब थी, जिसका अनुमानित मूल्य पांच लाख रुपये से अधिक है। पानापुर करियात थानेदार ने चालक से पूछा कि आमतौर पर कोई भी चालक पेट्रोल पंप पर गाड़ी रोकेगा। तुम पेट्रोल पंप के बजाय सुनसान पोखर के पास ऐसी जगह गाड़ी खड़ी की, जहां पर पेट्रोल पंप के सीसीटीवी का रेंज खत्म हो जाता है। ट्रक चालक अजीत मिश्रा पुलिस के इस सवाल का जवाब देने में उलझ रहा है। इस वजह से थानेदार का शक गहरा रहा है। थानेदार का मानना है कि कहीं अन्य हुई घटना की शिकायत जानबूझकर उसके थाना इलाके में बताई जा रही है। इसमें चालक व उसके साथ थाना में शिकायत लेकर आए ट्रांसपोर्ट कर्मियों की भूमिका पर ही पुलिस सवाल उठा रही है। इधर, ग्रामीण एसपी विद्या सागर ने बताया कि यह मामला उनके संज्ञान में आया है। सरैया एसडीपीओ कुमार चंदन को जांच कर आगे की कारवाई का निर्देश दिया गया है।

सरस्वती शिशु मंदिर केवल एक विद्यालय नहीं, बल्कि संस्कारों की पाठशाला हैः राधामोहन

महावीर सरस्वती शिशु विद्या मंदिर की मनाई गई रजत जयंती, धूमधाम से हुआ भव्य आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी/हरसिद्धि

शिक्षा और संस्कृति के समन्वय का प्रतीक बन चुका महावीर सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, हरसिद्धि में सोमवार को विद्यालय की स्थापना के 25वां गौरवपूर्ण वर्षों का उत्सव रजत जयंती समारोह अत्यंत हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह आयोजन न केवल विद्यालय के विकास यात्रा का उत्सव था, बल्कि हरसिद्धि क्षेत्र की शैक्षणिक प्रगति और सामाजिक योगदान की भी एक प्रेरणादायक झलक प्रस्तुत कर रहा था।

राष्ट्रीय व राज्य स्तर के अतिथियों की रही गरिमामयी उपस्थिति- कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पधारे पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद राधा मोहन सिंह ने विद्यालय की प्रशंसा करते हुए कहा, "सरस्वती शिशु मंदिर केवल एक विद्यालय नहीं, बल्कि संस्कारों की पाठशाला है। यहां से शिक्षा प्राप्त कर लाखों छात्र-छात्राएं जीवन में आगे बढ़ रहे हैं और समाज के विभिन्न क्षेत्रों में अपना योगदान दे रहे हैं।"

बिहार सरकार के गन्ना उद्योग मंत्री कृष्णनंदन पासवान ने विशिष्ट अतिथि के रूप में समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि यह विद्यालय पूर्वी चंपारण की एक शैक्षणिक धरोहर है। "एक छोटे से कमरे में शुरू हुआ यह विद्यालय आज विशाल भवन में परिवर्तित हो चुका है। यह प्रगति प्रेरणादायक है।" उन्होंने उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को सम्मानित भी किया और सभी आयोजनकर्ताओं को बधाई दी। वही श्री पासवान ने विद्यालय के विकास के लिए अपने निजी ऐच्छिक कोष से दस लाख रुपये देने की घोषणा की।

महावीर प्रसाद गुप्ता की स्मृति में प्रतिमा का अनावरण- कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय परिसर में स्वर्गीय महावीर प्रसाद गुप्ता की प्रतिमा के अनावरण से हुई। इस प्रतिमा का अनावरण सांसद राधा मोहन सिंह और मंत्री कृष्णा नंदन पासवान ने संयुक्त रूप से किया। विद्यालय के संरक्षक महावीर प्रसाद गुप्ता को याद करते हुए सांसद ने बताया कि उन्होंने विद्यालय की भूमि दान की थी और कई अन्य सामाजिक व शैक्षणिक संस्थानों को भी अपना सहयोग प्रदान किया था।

सम्मान समारोह और सांस्कृतिक कार्यक्रमों से सजा दिन- रजत जयंती के अवसर पर वर्ष 2024-25 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को अंगवस्त्र और बुके देकर सम्मानित किया गया। मंच संचालन आचार्य सत्येंद्र प्रसाद कुशवाहा ने कुशलता से किया, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के पूर्व सचिव नारायण प्रसाद अग्रवाल ने की।

विद्यालय की विकास यात्रा प्रेरणा की मिसाल-विद्यालय के संयोजक राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता ने बताया कि महावीर सरस्वती शिशु विद्या मंदिर की यात्रा एक छोटे से कमरे में शुरू हुई थी। आज यह न केवल भवन और संसाधनों में समृद्ध है, बल्कि नैतिक शिक्षा, संस्कृति और शैक्षणिक गुणवत्ता के क्षेत्र में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। विद्यालय के शिक्षकों और संचालन समिति की मेहनत, विद्यार्थियों की लगन और अभिभावकों के सहयोग ने इसे एक आदर्श शैक्षणिक संस्थान बना दिया है।

रजत जयंती समारोह के माध्यम से विद्यालय ने यह साबित कर दिया कि जब शिक्षा, संस्कृति और समाज का समन्वय होता है, तब इतिहास रचा जाता है।

विभिन्न गणमान्य लोगों की रही उपस्थिति- इस ऐतिहासिक अवसर पर कई विशिष्ट जन उपस्थित रहे जिनमें लोक शिक्षा समिति बिहार प्रदेश के सचिव रामलाल सिंह, विभाग निरीक्षक अनिल कुमार राम, भाजपा जिलाध्यक्ष पवन राज, विद्यालय के वर्तमान अध्यक्ष ई. राकेश गुप्ता, सचिव अजय कुमार सुल्तानिया, उपाध्यक्ष उत्तम अग्रवाल, गौतम अग्रवाल, प्रधानाचार्य रामजी प्रसाद, ललन प्रसाद, भोला शंकर गुप्ता, मनोज कुशवाहा, मार्कण्डेय कुशवाहा सहित क्षेत्र के सैकड़ों लोग शामिल थे।

संक्षिप्त समाचार

हार्डकोर नक्सली व 20 हजार का इनामी अपराधी सहित 6 गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी । बिहार में पूर्वी चंपारण जिले के पताही थाना क्षेत्र से गुप्त सूचना के आधार पर एक हार्डकोर नक्सली व एक 20,000 का इनामी अपराधी सहित 6 वारंटी को गिरफ्तार कर पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत भेज दिया गया। इस संबंध में पताही थानाध्यक्ष विनीत कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर महमदा गांव निवासी हार्डकोर नक्सली बबलू राम उर्फ मिठू राम को उसके घर से गिरफ्तार किया गया। उसके ऊपर पताही थाना कांड संख्या 84/2005 नक्सली कांड एवं आर्म्स एक्ट,कांड संख्या 85/2005 नक्सली कांड एवं विस्फोट,शिवहर थाना कांड संख्या 91/2007 नक्सली एवं डकैती कांड,बैरगनिया सीतामढ़ी थाना कांड संख्या 28/2005 नक्सली कांड एवं आर्म्स एक्ट, बैरगनिया सीतामढ़ी थाना कांड संख्या 62/2005 नक्सली कांड एवं आर्म्स एक्ट,पताही थाना कांड संख्या 34/2017 रंगदारी, चकिया थाना कांड संख्या 151/2014 यूएपीए अधिनियम एवं विस्फोटक कांड 145/18 दर्ज है। इसके साथ ही 20,000 का इनामी अपराधी नीरज साह पिता अनिल साह ग्राम पदुमकेर को एसटीएफ के सहयोग से गिरफ्तार किया गया इसके साथ ही थाना क्षेत्र से टीआर संख्या 145/18 के वारंटी मिठू राम उर्फ बबलू पिता स्वर्गीय खैरी राम उर्फ जय श्री राम ग्राम महमदा वर्तमान रूपणी मठ, टीआर संख्या 184/23 के वारंटी रंजय कुमार पिता ललन साह ग्राम पदुमकेर,पताही थाना कांड संख्या 225/25 के आरोपी संजू राम पिता सेवक राम ग्राम रूपणी मठ,पताही थाना कांड संख्या 180/25 के तीन आरोपी जीनीस राय पिता सटहु राय उर्फ सरुप राय,संजय राय पिता माधो राय,सुरेंद्र राय पिता विपत राय तीनो गोनाही निवासी को गिरफ्तार कर पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत मोतिहारी भेज दिया गया है। छापेमारी टीम में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पकड़ीदयाल,पताही थानाध्यक्ष विनीत कुमार,संजय चौधरी,पताही थाना के सशस्त्र बल शामिल थे।

होप हॉस्पिटल का हुआ उद्घाटनः इमरान

बीएनएम। मोतिहारी। स्थानीय मुफस्सिल थाना के समीप बच्चों का संपूर्ण इलाज के लिए होप हॉस्पिटल का सांसद राधा मोहन सिंह, विधायक प्रमोद कुमार, लालबाबू प्रसाद, आलोक शर्मा के द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर उद्घाटन किया गया। मौके पर होप हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. इमरान ने बताया कि यहां पर 15 साल के उम्र तक के बच्चों का संपूर्ण इलाज किया जाता है। टीकाकरण, आईसीयू नेबुलाइजर, फोटोथेरेपी इत्यादि की उचित व्यवस्था है। गरीबों के लिए रियाती दर पर चिकित्सा उपलब्ध है। मौके पर डॉ. तबरेज अजीज, डॉ. मोबिन हाशमी, डॉ. शरद हेमंत, मंदसौर आलम, महबूल हक, गुलरेज शहजाद, अब्दुल कलाम इत्यादि उपस्थित थे। उक्त जानकारी होप हॉस्पिटल के डॉक्टर मंसूर आलम ने दी।

बीडी वर्ल्ड स्कूल के छात्र शिक्षा ही नहीं कला में भी प्रतिभा से हैं परिपूर्ण- नगर विकास मंत्री

बीएनएम। मोतिहारी

बीडी वर्ल्ड पब्लिक स्कूल न केवल शिक्षा बल्कि सांस्कृतिक विकास का भी प्रमुख केंद्र है। बच्चों में जहां सामाजिक सांस्कृतिक जीवन मूल्यों का संचार किया जाता है, वहीं यहां के छात्र बहुमुखी प्रतिभा के धनी हैं, जो स्कूल परिसर से निकलकर सरकार में उच्च पदों पर आसीन होते हैं। यह बात सांसद राधा मोहन सिंह और शहरी विकास मंत्री जीवेश मिश्रा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कही। कार्यक्रम का संचालन गीता श्रीवास्तव, रवि कुमार एवं सूरज कुमार ने किया। समारोह की अध्यक्षता दावंती देवी एवं संचालन विकास कुमार जयसवाल, विवेक कुमार, जगदंबा जयसवाल, आरती रानी ने किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में गणेश वंदना, महाभारत थीम, देशभक्ति, महाकुंभ थीम, सोशल मीडिया नाटक आदि जैसे भक्ति गीत, राष्ट्रगान और सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल हैं। सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यालय के शिक्षक कुणाल कौशिक, प्रकाश अस्थाना, सागर पाठक, देव संत, शंशाक शेखर, उज्जवल कुमार, दिव्य प्रकाश, देवेन्द्र दुबे, सीमा सिंह, गीता श्रीवास्तव, श्वेता श्रीवास्तव, रजनी शर्मा, कविता थापा, वंदना, रोशनी कुमारी, अर्चना कुमारी, कुसुम भारती, ज्योति कुमारी, अनुष्का, हसबुन निशा, ऋचा पांडे, मलय मन्ना, आंचल कुमारी, नुरानी शाहबाज उपस्थित थे। स्कूल की छात्रा अदीबा, निशिका, आयुषी, काजल कुमारी, काजल चौधरी, सोनल, फैसल, अविका, निखिल, ऋषिका, अन्नया, शिवम कुमारः निशिका कुमारी, रिया कुमारी अनुराग कुमारः, अनुपम कुमार, दीप राज, आराध्या, हीना, नौमान, प्रतीक, प्रखर, अभिमन्यु आदि का प्रदर्शन सराहनीय रहा। धन्यवाद ज्ञापन स्कूल निदेशक विकास कुमार ने किया।

कामता मिश्र गोलीकांड में संलिप्त एक अपराधी गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी/हरसिद्धि

जिले के हरसिद्धि थाना क्षेत्र के गायघाट चौक पर 30 मार्च को हुए चर्चित हार्डवेयर व्यवसाई कामता मिश्र गोलीकांड में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। इस मामले में एक नामजद अभियुक्त अमित श्रीवास्तव को गिरफ्तार कर लिया गया है, जिससे पूरे घटनाक्रम को लेकर कई अहम खुलासे होने की संभावना है।

गिरफ्तार अभियुक्त चिरैया थाना क्षेत्र के रूपगड़ा गांव निवासी रामाशंकर प्रसाद का पुत्र है। पुलिस ने उसके पास से एक पिस्तौल और दो जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। अमित श्रीवास्तव पर पहले भी हत्या, अपहरण और लूट जैसे संगीन अपराधों में संलिप्त रहने का आरोप है, जिसमें तुरकौलिया, मुफ्फसिल और चकिया थाने में दर्ज चर्चित राजीव हत्याकांड शामिल है।

हमले के बाद पटना रेफर किए गए थे कामता मिश्र- घटना के दिन बदमाशों ने हार्डवेयर व्यवसाई कामता मिश्र को सरेआम गोली मार दी थी, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए थे। प्रारंभिक इलाज के बाद उनकी हालत को देखते हुए उन्हें पटना रेफर किया गया, जहां वे करीब एक महीने तक जीवन और मृत्यु के बीच संघर्ष करते रहे।

शूटर की पहचान, जल्द होगी गिरफ्तारी- डीएसपी रंजन कुमार ने जानकारी दी कि मुख्य शूटर की पहचान हो चुकी है और उसे भी शीघ्र गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस ने दावा किया है कि इस केस में शामिल सभी अपराधियों की पहचान हो चुकी है और बहुत जल्द सभी को सलाखों के पीछे पहुंचा दिया जाएगा।

गिरफ्तारी के लिए चला सघन छापेमारी अभियान- अमित श्रीवास्तव की गिरफ्तारी मुरारपुर मिडिल स्कूल के पास से की गई। इस कार्रवाई में हरसिद्धि थानाध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिन्हा, इंस्पेक्टर पूर्णकाम सामर्थ, अपर थाना अध्यक्ष मनीष राज, दरोगा अवनीश कुमार सहित कई पुलिसकर्मी शामिल थे।

उच्च विद्यालय मधुबन को मिला पीएम श्री स्कूल का दर्जा

शिक्षकों में उत्साह की लहर, विधायक राणा रणधीर सिंह से मिलकर दी बधाई, क्षेत्र में शिक्षा की दिशा में बड़ा कदम

बीएनएम। मोतिहारी

शिक्षा के क्षेत्र में मधुबन प्रखंड के लिए एक गौरवपूर्ण क्षण सामने आया है। सत्र 2025 के लिए केन्द्र सरकार द्वारा घोषित पीएम श्री स्कूल योजना के तहत उच्च विद्यालय मधुबन को चयनित किया गया है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि से विद्यालय परिवार और क्षेत्र के शिक्षकों में हर्ष और गर्व की लहर दौड़ पड़ी है। इस अवसर पर बिहार माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रतिनिधियों एवं विद्यालय के समस्त शिक्षकों ने संघ के वरिष्ठ नेता डॉ. राकेश कुमार सिंह के नेतृत्व में स्थानीय विधायक एवं पूर्व मंत्री इंजीनियर राणा रणधीर सिंह से उनके आवास पर भेंट की। सभी शिक्षकों ने विधायक को इस उपलब्धि पर बधाई दी तथा उनके सतत सहयोग के लिए आभार जताया। भेंट के दौरान विधायक राणा रणधीर सिंह ने शिक्षकों के साथ खुलकर संवाद किया और उनकी समस्याओं को भी ध्यानपूर्वक सुना। उन्होंने सभी शिक्षकों से अपील की कि वे अपने कर्तव्यों के प्रति पूर्ण निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करें ताकि विद्यालय वास्तव में पीएम श्री योजना के उद्देश्यों को साकार कर सके। विधायक ने कहा, "पीएम श्री स्कूल बनने से अब मधुबन प्रखंड के छात्रों को नवोदय विद्यालय जैसी आधुनिक एवं गुणवत्ता-युक्त शिक्षा सुविधा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होगी। यह न केवल बच्चों के भविष्य को बेहतर बनाएगा, बल्कि पूरे क्षेत्र में शैक्षिक माहौल में आमूलचूल परिवर्तन लाएगा।"

प्रधानाचार्य से लेकर प्रबंधन समिति तक सक्रियः - इस प्रतिनिधि मंडल में बिहार माध्यमिक शिक्षक संघ के वरिष्ठ नेता डॉ. राकेश कुमार सिंह, प्रभारी सीमा कुमारी, शिक्षक विजय कुमार, कौशल कुमार गौतम, मोहम्मद सोहेल, अशोक कुमार, संत कुमार सिंह, तथा विद्यालय प्रबंधन समिति के सक्रिय सदस्य मनीष पांडे प्रमुख रूप से उपस्थित थे। सभी ने विद्यालय को पीएम श्री योजना में शामिल करने के निर्णय का स्वागत किया और इसे क्षेत्र के विकास के लिए ऐतिहासिक बताया।

क्या है पीएम श्री स्कूल योजना?- प्रधानमंत्री स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया (PM SHRI) योजना के तहत देशभर के चयनित विद्यालयों को आधुनिक सुविधाओं से युक्त "मॉडल स्कूल" के रूप में विकसित किया जाएगा। इनमें स्मार्ट क्लासरूम, आईसीटी लैब, लाइब्रेरी, विज्ञान प्रयोगशाला, हरित परिसर एवं समावेशी शिक्षा जैसी सुविधाएं शामिल होंगी।

निजी कार्यक्रम में भाग लेने सुगौली पहुंचेगे राज्यपाल

बीएनएम। मोतिहारी

बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान मंगलवार को एक निजी कार्यक्रम में भाग लेने सुगौली प्रखंड के बगही पहुंच रहें हैं। उनके आगमन को लेकर बगही पंचायत के डाक्टर परवेज मोहम्मद ने बताया कि राज्यपाल मोतिहारी तक हेलीकॉप्टर से पहुंचेंगे और वहां से सड़क मार्ग से बगही पहुंचेंगे। उनके पहुंचने को एएसपी सदर शिवम धाकड़, डीएसपी ट्रैफिक चितरंजन कुमार,और लाइन के डीएसपी नवल कुमार सहित सुगौली अंचल पुलिस निरीक्षक अशोक कुमार पांडे,थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह कार्यक्रम स्थल पर पहुंच कर स्थल का निरीक्षण किया। डॉ परवेज मोहम्मद ने बताया कि राज्यपाल के आगमन को लेकर कार्यक्रम स्थल पर सभी आवश्यक व्यवस्था की जा रही है।

कोटवा में अफीम के साथ अंतर्राज्यीय तस्कर गिरोह के तीन गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के कोटवा थाना क्षेत्र में पुलिस व एसटीएफ की टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए 4.074 अफीम के साथ एक बड़े अंतर्राज्यीय मादक द्रव्य के तस्कर गिरोह के सदस्यो को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से 55,000 रुपये नकद और कई मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं।गिरफ्तार तस्करों की पहचान नरेश साह,व शंभू गुप्ता व सोमपाल के रूप में हुई है।नरेश साह पूर्व में मध्यप्रदेश में एनडीपीएस एक्ट में जेल जा चुका है।पुलिस इन तीनो से पूछताछ कर इनके फारवर्ड व बैकवर्ड लिंकेज खंगालने में जुटी है। छापेमारी दल में जितेश पाण्डेय, डीएसपी सदर-02, राजरूप राय, थानाध्यक्ष, कोटवा व एसटीएफ टीम शामिल थे।

ममता कर्मी रेणु देवी ने आत्महत्या नहीं अपराधियों के द्वारा हत्या कर छुपाया गया है साक्ष्यः राजेंद्र राम

बीएनएम। मोतिहारी

पूर्व विधायक सह पूर्व अध्यक्ष अनुसूचित जाति आयोग बिहार राजेंद्र कुमार राम के द्वारा सोमवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि इस सरकार में महिलाओं की हत्या, बलात्कार रिकॉर्ड तोड़ हो रही है और यह राक्षस की सरकार बनी हुई है। अफसर शाही सर चढ़कर के बोल रही है। इन्होंने आरोप लगाया कि विगत दिनों जिले के बंजरिया पीएचसी में ममता कर्मी रेणु देवी की हत्या हुई। वहां पर पुलिस प्रशासन या आम लोग प्रत्यक्षदर्शी हैं की हत्या करके उसे टांग देना प्रतीत होता था, क्योंकि मृतक का पैर फर्श से सटा हुआ होना और बचाव के लिए दोनों हाथ उठाकर गले में लगे फंडे को बचाव के लिए फंदा को पकड़े दिखाई गया। इससे प्रतीत होता है कि मृतक रेणु देवी ममता कर्मी आत्महत्या नहीं अपराधियों के द्वारा हत्या कर साक्ष्य को छुपाने के लिए बनावटी फंदे में टांग दिया गया था, परंतु घटनास्थल पर पहुंचे पदाधिकारी और पुलिस कर्मी के कार्रवाई गतिविधि से परिजन काफी असंतुष्ट हैं। कहा कि न्याय मिलना संदेहात्मक लगता है इसलिए परिजनों के साथ-साथ मेरा मीडिया के माध्यम से जिला के पुलिस अधीक्षक से मांग है, कि इस घटना को अपने स्तर से जांच कर मृतक के परिजनों को न्याय दें साथ ही आप सबों के माध्यम से सरकार से मांग करते हैं की बिहार के अंदर ममता और आशा का मानदेय काफी कम होने के कारण अपना तथा अपने परिजनों का प्रतिपालन करना उनके लिए कष्टदायक सा बना हुआ है। मानदेय भी समय पर सरकार नहीं देती लगातार आंदोलन पर ममता और आशा सरकार के झूठी विकास को देखते हुए आंदोलन करती है, परंतु मानदेय बढ़ाने या फिर उनके मांगों को पूरा करना तो अलग बात उनके ऊपर लाठियां बरसाई जाती है। श्री राम ऐसी हालत में ममता कर्मी रेणु देवी की परिजनों के लिए 20 लाख रुपया मुआवजा और साथ ही साथ एक सरकारी नौकरी की मांग किए हैं, क्योंकि यह ममता कर्मी अनुसूचित जाति की महिला है। ये अपने पीछे छोटे-छोटे अबोध बच्चों को छोड़कर गई हैं। इनके पति बेरोजगार है। इनकी परिवार के लोगों का जीवन बोझिल हो चुका है। इन्होंने सरकार से यह मांग किया है कि ममता एवं आशा पर आए दिन बिहार के अंदर इस तरह की घटना होती रहती है इसको देखते हुए सरकार से रात्रि में आशा और ममता के द्वारा जो पीएससी में काम ली जाती है उनकी सुरक्षा की भी गारंटी सरकार ले साथ ही सुरक्षा की व्यवस्था करें और बिहार के सभी पर पीएचसी में सीसीटीवी लगावे ताकि अपराधी अपराध करने पर पकड़ में आ सके। स्थानीय पुलिस अधीक्षक से भी मांग किया है कि अपने स्तर से इसकी जांच कर परिजनों को न्याय दें और जो दोषी है उस पर स्पीडी ट्रायल चलाकर कार्रवाई करें। मौके पर मीडिया प्रभारी जावेद अहमद, पूर्व जिला पार्षद शंभू राय, साधु यादव उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

मुख्य चुनाव आयुक्त ने बौद्ध स्तूप का किया भ्रमण

बीएनएम। केसरिया। भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त डॉ विवेक जोशी ने सोमवार को केसरिया बौद्ध स्तूप का भ्रमण किया। मोतिहारी से पटना जाने के क्रम में यहाँ पहुँचे थे। उन्होंने स्तूप का नजदीक से अवलोकन किया। यादगार के तौर पर तस्वीर भी ली। स्थानीय गाइड सहेंद्र प्रसाद यादव ने उन्हें बौद्ध स्तूप के इतिहास के बारे में विस्तृत जानकारी दी। डॉ जोशी बिहार विधानसभा आम चुनाव 2025 की तैयारी को लेकर मोतिहारी और बेतिया दौरे पर आए थे।इस मौके पर डीएम सौरभ जोरवाल, चकिया एसडीओ शिवानी शुभम, एएसपी मोहिबुल्लाह अंसारी , सीओ पूनम मिश्रा, थानाध्यक्ष उदय कुमार, बीजधरी थानाध्यक्ष राजीव कुमार सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट, सरपंच पति महमद आदम समेत 27 नामजद, पांच गिरफ्तार

बीएनएम। तुरकौलिया। सेमरा बेलवतिया गांव में रविवार की शाम मामूली विवाद ने उग्र रूप धारण कर लिया जब कीचड़ गिरने की घटना को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में तनाव फैल गया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए पांच लोगों को गिरफ्तार किया है, जबकि दोनों पक्षों की ओर से दिए गए आवेदन पर 27 नामजद सहित एक दर्जन से अधिक अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। घटना की शुरुआत उस समय हुई जब बाइक सवार कीचड़ से सने रास्ते पर गुजर रहा था और कीचड़ पड़ने की बात को लेकर अंजन कुमार नामक युवक के साथ मारपीट की गई। हमले में अंजन कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके सिर में गहरी चोटें आईं और उसके परिजनों के अनुसार उसकी हड्डी भी टूट गई है। विवाद इतना बढ़ा कि दूसरे पक्ष के शेख अशरफ का पुत्र, जो गांव से मोतिहारी जा रहा था, उसे भी घेरकर पीट दिया गया। दोनों ओर से हुई मारपीट के बाद गांव में तनाव की स्थिति बन गई। सूचना मिलते ही तुरकौलिया और पिपराकोठी थाना की पुलिस के साथ जिला पुलिस बल ने गांव में मोर्चा संभाल लिया। गिरफ्तार आरोपियों में अरशद आलम, अमजद आलम, बालदेव महतो, नंदलाल कुमार और गुड्डू कुमार शामिल हैं। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि अंजन कुमार और मोहम्मद नौशाद की ओर से दर्ज कराए गए आवेदन के आधार पर दोनों पक्षों पर केस दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। जानकारी के अनुसार, टिकैता गोविंदापुर पंचायत के मुखिया और सरपंच पति पर भी प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और गांव में स्थिति फिलहाल नियंत्रण में है। घायल व्यक्तियों का इलाज जारी है और गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया चल रही है।

स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने नगर में निकले स्वच्छता साथी

बीएनएम। अरेराज। नगर पंचायत अरेराज में स्वच्छ भारत मिशन को जन-जन तक पहुंचाने और आम जनमानस को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से "स्वच्छता साथियों" की एक सक्रिय टोली ने आज से पूरे नगर क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। ये स्वच्छता साथी घर-घर जाकर लोगों को साफ-सफाई के महत्व, कचरे के विभिन्न प्रकारों, उनके उचित निपटान के तरीकों तथा खुले में कचरा न फेंकने जैसी महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान कर रहे हैं। स्वच्छता अभियान को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए नगर क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में जिम्मेदारियों का कुशलतापूर्वक बंटवारा किया गया है। वार्ड संख्या 01, 02 एवं 03 की जिम्मेदारी सीमा कुमारी को सौंपी गई है, जबकि वार्ड संख्या 04, 05 एवं 06 की कमान शिवांगी पाण्डेय संभाल रही हैं। इसी क्रम में, वार्ड संख्या 07 एवं 08 की जिम्मेदारी संजीत कुमार को, वार्ड संख्या 09, 10 एवं 11 की जिम्मेदारी उमेश यादव को तथा वार्ड संख्या 12, 13 एवं 14 की जिम्मेदारी उमेश कुमार को दी गई है। इस महत्वपूर्ण अभियान को लेकर नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी, नगर अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सभी वार्ड पार्षद, स्वच्छता पदाधिकारी एवं स्वच्छता अभियान के ब्रांड एम्बेसडर ने संयुक्त रूप से जनता, मीडियाकर्मियों, व्यवसायियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं से सक्रिय रूप से सहयोग करने की मार्मिक अपील की है। सभी ने स्वच्छता साथियों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखने तथा स्वच्छता को एक जन आंदोलन बनाने की आवश्यकता पर विशेष बल दिया। अभियान का मुख्य उद्देश्य केवल नगर को साफ-सुथरा रखना ही नहीं, बल्कि नागरिकों को स्वच्छता के महत्व को गहराई से समझाना और उन्हें अपने दैनिक जीवन में इसे आत्मसात करने के लिए प्रेरित करना है। नगरवासियों से अनुरोध किया गया है कि वे स्वच्छता साथियों के प्रयासों का सम्मान करें और नगर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के इस पुनीत कार्य में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। यह अभियान नगर को एक स्वच्छ, स्वस्थ और सुंदर परिवेश प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

विद्युत स्पर्शाघात से मजदूर की मौत

बीएनएम। केसरिया। थाना क्षेत्र के सिसवा पटना में विद्युत स्पर्शाघात से एक मजदूर की मौत हो गई है। मृतक केसरिया नगर पंचायत के बैसखवा गाँव निवासी 55 वर्षीय गणेश सहनी उर्फ ढोराई सहनी बताया जा रहा है। जानकारी है कि सिसवा पटना निवासी देवेंद्र सिंह का मकान बन रहा था। जहाँ गणेश मजदूरी कर रहे था। इसी क्रम में बिजली का तार टूट कर गिर गया। जिसके चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना पर पुलिस पहुँच कर शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी भेज दिया।

आंगनबाड़ी सेविका पोषण के लिए हो रहीं प्रशिक्षित

बीएनएम। बिहारशरीफः जिले की आंगनवाड़ी सेविकाओं को पोषण के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है, ताकि प्रशिक्षण के बाद सेविका बच्चों की पढ़ाई के साथ-साथ उनके पोषण पर भी नजर रखें। यह प्रशिक्षण 31 में तक चलेगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत सेविकाओं का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण के बाद सभी सेविकाओं को किट भी दिया जा रहा है।

महिला संवाद के दौरान निकल कर आई एटीएम खोलने जाने की माँग

बीएनएम। बिहारशरीफः जिले के 20 प्रखंडों के ग्राम संगठनों में ग्रामीणों के बीच बिहार सरकार द्वारा चलायी जा रही महिला सशक्तिकरण की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी जन-जन तक पहुंचाने और उनके इलाके के सर्वांगीण विकास हेतु उनकी आकांक्षाओं के अदान - प्रदान हेतु चलाये जा रहे एक महत्वाकांक्षी अभियान "महिला संवाद" के क्रम में आज लगभग 8 हजार से ज्यादा ग्रामीणों ने हिस्सा लिया। इन सभी जगहों पर चलित वीडियों वाहन के माध्यम से सरकार की उपलब्धियों, महिला उत्थान के लिए चलायी जा रही योजनाओं एवं परियोजनाओं की जानकारी चलचित्र के रूप में लोगों को दिखायी गई। जिले में जीविका सम्पोषित वाम संगठन स्तर पर महिला संवाद का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान सुबह की प्रथम पाली में 20 ग्राम संगठनों में जबकि शाम की द्वितीय पाली में भी अन्य 20 ग्राम संगठनों में महिला संवाद का आयोजन किया गया। इसमें जीविका स्वयं सहायता समूह की दीदियों के अलावा समूह से नहीं जुड़ने वाली महिलाओं ने भी हिस्सा लिया। खास बात यह है कि इस महिला संवाद में गाँव की समस्त महिलाएं भाग लेकर गाँव, समाज और राज्य के विकास पर मंथन कर रही है।

नगर की बदहाल व्यवस्था को लेकर नगर विकास मंच की बैठक, कोर टीम ने उठाए गंभीर सवाल

बीएनएम। मेहसी

नगर पंचायत मेहसी की बदहाल स्थिति, अव्यवस्थाओं और मूलभूत नागरिक सुविधाओं के अभाव को लेकर नगर विकास मंच की कोर टीम की एक महत्वपूर्ण बैठक सामाजिक कार्यकर्ता जेपी सेनानी अमर की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य नगर पंचायत क्षेत्र में व्याप्त समस्याओं पर चर्चा कर उसके समाधान हेतु सामूहिक जनदबाव बनाना था।

जनप्रतिनिधियों और उम्मीदवारों पर उठे सवाल- बैठक की अध्यक्षता करते हुए अमर ने कहा कि नगर पंचायत चुनाव का माहौल बन चुका है और कई इच्छुक उम्मीदवार मैदान में उतरने को तैयार दिख रहे हैं। लेकिन चिंताजनक यह है कि इनमें से कोई भी उम्मीदवार अब तक यह स्पष्ट नहीं कर पाया है कि यदि उन्हें मौका मिला तो वे नगर क्षेत्र के विकास के लिए क्या ठोस योजनाएं लेकर आएंगे। उन्होंने कहा, "नगर की मौजूदा समस्याओं पर न तो कोई खुलकर बात कर रहा है और न ही समाधान का खाका पेश कर रहा है, जो बेहद चिंताजनक है।" सड़कों की बदहाली पर गहराई से चर्चा कोर टीम के सदस्य हामिद रजा ने कहा कि मार्च 2025 में बिहार सरकार द्वारा जिले के 20 प्रखंडों में 457 सड़कों के निर्माण और मजबूतीकरण की स्वीकृति दी गई थी, जिसमें मेहसी की लगभग 21-23 सड़कों को शामिल किया गया। लेकिन मई तक भी कार्य प्रारंभ नहीं होना लापरवाही को दर्शाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब-जब जनता सवाल पूछती है, कोई 'शगुफा' छोड़ कर लोगों का ध्यान भटकाया जाता है। विकास कार्यों में केवल दिखावा राकेश कुमार श्रीवास्तव, अध्यक्ष, नगर विकास मंच ने कहा कि स्थानीय जनप्रतिनिधि केवल सोशल मीडिया पर विभागीय पत्र डाल कर लोगों को भ्रमित कर रहे हैं, जबकि धरातल पर कोई कार्य नहीं हो रहा। उन्होंने कहा कि मेहसी की मुख्य सड़क वर्षों से जर्जर अवस्था में है और इसके प्रति कोई गंभीरता नहीं दिखाई जा रही।

स्वच्छता और कचरा प्रबंधन में भारी लापरवाहीः - मनोज मेहसवी ने नगर में सफाई व्यवस्था की बुरी हालत की ओर इशारा करते हुए कहा कि पिछले 15 दिनों से नगर के अधिकतर वार्डों में कचरे के ढेर लगे हुए हैं। कभी-कभार सफाई का दिखावा होता है, पर स्थायी व्यवस्था नहीं बन पाई है। आनंद प्रकाश सिंह ने आगामी वर्षा ऋतु को देखते हुए नालियों की सफाई, मरम्मत, और खुले नालों पर स्लैब लगाने की मांग की, जिससे जलजमाव और बीमारियों से बचाव किया जा सके।

जल संकट और जल जीवन हरियाली योजना पर सवालः - कुणाल कुमार और संदीप कुमार गुप्ता ने नगर में हैंडपंपों की खराब स्थिति की बात उठाई और तत्काल मरम्मत की मांग की। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुछ हैंडपंपों पर निजी कब्जा है, जिसे अतिक्रमण मुक्त किया जाना चाहिए। इन्होंने यह भी खुलासा किया कि "जल जीवन हरियाली" योजना के तहत पिछले दिनों 50 से 60 कुओं की महज रंगाई-पुताई कर बिना उड़ाही के फर्जी रूप से फंड का उपयोग कर लिया गया। मसीहूर रहमान और रविंद्र सिंह ने नगर के विभिन्न मार्गों की स्थिति पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि मस्जिद चौक से मुगलपुरा, पुरानी मेहसी, मोतीझील, थाना से चौधरी चौक, ब्रह्म स्थान से कुरैशी मोहल्ला, और मंजन छपरा से बहादुरपुर तक की सड़कें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हैं और इनकी मरम्मत की कोई सुध नहीं ले रहा। बैठक में यह भी सामने आया कि नल-जल योजना के नाम पर हर साल बजट का उठाव होता है, लेकिन आज तक एक भी बूंद पानी नल से नहीं टपका। यह प्रश्न उठाया गया कि आखिर यह फंड कहां जा रहा है? सफाईकर्मियों की बार-बार हड़ताल भी नगर प्रशासन की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। बैठक के अंत में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि यदि इन जनहित के मुद्दों पर प्रशासन और जनप्रतिनिधि शीघ्र कोई ठोस कार्यवाही नहीं करते हैं, तो नगर विकास मंच जनांदोलन की राह पकड़ने को बाध्य होगा। यह बैठक नगरवासियों के गहरे असंतोष का संकेत है और यह दर्शाता है कि मेहसी की जनता अब केवल वादों पर नहीं, कार्यों पर विश्वास करेगी।

वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच मठ में विराजमान हुए राधे-कृष्ण

पाँच दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ का समापन

बीएनएम। केसरिया

ताजपुर पटखौलिया स्थित ऐतिहासिक व पौराणिक मठ परिसर में आयोजित पाँच दिवसीय मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ के अंतिम दिन सोमवार को वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच मठ के गर्भगृह में राधे-कृष्ण की प्रतिमा स्थापित की गई। इसके साथ हीं 15 मई से आयोजित इस पाँच दिवसीय महायज्ञ का समापन किया गया।यज्ञाचार्य पंडित रामप्रकाश मिश्र गर्ग की देखरेख में यजमान ताजपुर पटखौलिया निवासी व मुंबई उच्च न्यायालय के वरीय अधिवक्ता राकेश कुमार सिंह व उनकी पत्नी साधना सिंह के द्वारा राधे-कृष्ण की प्रतिमा को स्नान कराया गया। इसके उपरांत विधिवत पूजा अर्चना की गई। इसके बाद हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में राधे-कृष्ण के जयघोष के साथ प्रतिमा स्थापित की गई। यज्ञ की समाप्ति के उपरांत मठ परिसर में विशाल भंडारा का आयोजन किया गया। इस आयोजन में करीब ढाई हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद ग्रहण किया। वहीं कुंवारी कन्याओं को पूजन उपरांत प्रसाद ग्रहण कराया गया। इस महायज्ञ को सफल बनाने में अधिवक्ता राकेश कुमार सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। वहीं मठाधीश अविनाशी दास जी महाराज, समाजसेवी विकास कुमार सिंह उर्फ निप्पू सिंह, पीताम्बर राम, संजय कुमार यादव, मिठू सिंह, मंटू सिंह, नवनीत कुमार सिंह, छोटू सिंह, विनोद यादव, मंजय पासवान, रामबहादुर राय, मणिभूषण ठाकुर, शशिभूषण सिंह, आदित्य पाठक सहित अन्य ग्रामीणों ने भी सराहनीय भूमिका निभायी। महायज्ञ के समापन के दिन धवलपीठ ढेकहाँ के मठाधीश शत्रुघ्न दास सहित आसपास के मठ-मंदिरों के मठाधीश व पुजारियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करा कर यादगार बना दिया।

शराब तस्कर समेत 12 गिरफ्तार, विदेशी शराब बरामद

बीएनएम। तुरकौलिया

थाना क्षेत्र में रघुनाथपुर पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए शराब तस्कर सहित 12 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से 8 पीएम ब्रांड की 180 एमएल वाली कुल 14 बोतल विदेशी शराब भी बरामद की है। गिरफ्तार किए गए मुख्य आरोपी की पहचान बालगंगा निवासी प्रेम कुमार के रूप में हुई है, जो इलाके में शराब तस्करी के लिए पहले से कुख्यात है। पुलिस ने उसे उसके गांव से गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान प्रेम कुमार की निशानदेही पर शराब की बरामदगी हुई। अन्य गिरफ्तार आरोपियों में रघुनाथपुर निवासी सोनू कुमार, भोला यादव, पटना के सौरभ कुमार, मजूराहा के संजीत कुमार व शत्रुघ्न महतो, चैनपुर के सुभाष पासवान, शंकर सरैया के ललन यादव, अमरेश महतो, गोविंदगंज के रमेश भगत और श्रवण कुमार तथा संग्रामपुर का मुन्ना ठाकुर शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, ये सभी शराब पीकर सार्वजनिक स्थल पर हंगामा कर रहे थे। ब्रेथ एनालाइजर से जांच करने पर इनके शराब पीने की पुष्टि हुई। अपर थानाध्यक्ष मिंटू कुमार ने जानकारी दी कि सभी आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस आगे की जांच में जुटी हुई है।

स्वतंत्रता सेनानी पं. राजकुमार शुक्ला के जयंती समारोह में शामिल होने के लिए मुख्यमंत्री को दिया आमंत्रण

बीएनएम। मोतिहारी

पटना विश्वविद्यालय छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष व जदयू नेता दिव्यांशु भारद्वाज ने सोमवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से औपचारिक भेंट के दौरान 23 अगस्त को मोतिहारी में आयोजित चंपारण सत्याग्रह के पुरोधा स्वतंत्रता सेनानी पंडित राजकुमार शुक्ला जी की 149वीं जयंती समारोह में शामिल होने का आमंत्रण दिया है। उन्होने मुख्यमंत्री को स्वतंत्रता सेनानी पं.राजकुमार शुक्ल के सम्मान में दो महत्वपूर्ण प्रस्ताव से संबंधित पत्र भी सौपा है। जिसमे कहा गया है,कि पंडित राजकुमार शुक्ल जी के नाम पर मोतिहारी में एक अंतरराष्ट्रीय खेल अकादमी की स्थापना की जाए, ताकि चंपारण के युवाओं को खेल के क्षेत्र में राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल सके और शुक्ला जी का योगदान भावी पीढ़ियों तक पहुंचे। मोतिहारी नगर के किसी प्रमुख स्थल,चौराहे अथवा सड़क का नामकरण पंडित राजकुमार शुक्ला जी के नाम पर किया जाए, जिससे जनमानस को उनके प्रति गौरव और सम्मान का अनुभव हो। जदयू नेता दिव्यांशु भारद्धाज ने बताया कि मुख्यमंत्री ने इन मांगों को गंभीरता से लेते हुए विचार हेतु संबंधित विभागों को निर्देश देने का आश्वासन दिया है। उन्होने कहा आशा है,कि पत्र के आलोक में बिहार सरकार पंडित राजकुमार शुक्ला जी के अद्वितीय योगदान को चिरस्थायी बनाने हेतु सकारात्मक कदम उठाएगी।

बीस सूत्री के नवमनोनीत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व सदस्यों का किया गया अभिनंदन

बीएनएम। केसरिया

प्रखण्ड मुख्यालय स्थित एक निजी होटल के सभागार में सोमवार को कार्यक्रम आयोजित कर नवमनोनीत बीस सूत्री के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व सदस्यों का अभिनंदन किया गया। बीस सूत्री के नवमनोनीत अध्यक्ष मो इशाक अजाद ने कहा कि प्रखंड बीस सूत्री समिति राज्य सरकार का प्रखंड स्तर पर प्रतिनिधित्व करती है। उम्मीद करता हूँ कि सरकार के द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ धरातल पर लाभुकों को दिलवाने में सहयोग करेंगे। बैठक के उपरांत एक प्रतिनिधिमंडल बीडीओ कुमुद कुमार से मिलकर एक ज्ञापन सौंपा। जिसमें बैठक बुलाने, सभी विभागों के अधिकारियों को पत्र निर्गत करने व कार्यालय उपलब्ध समेत कई मांग शामिल है। मौके पर बीस सूत्री के उपाध्यक्ष मुकेश यादव, सदस्य धनंजय कुमार गुप्ता, राजेंद्र गिरी, हरिकिशोर प्रसाद, गुड्डू खान, धर्मेंद्र कुमार गुप्ता, नितेश कुमार, राजू पटेल, सुगान्ति देवी, सरोज सहनी,अर्पणा देवी सहित अन्य मौजूद रहे।

एमजीसीयू न्यूज लेटर का कुलपति ने किया लोकार्पण

बीएनएम। मोतिहारी

महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित और जनसम्पर्क प्रकोष्ठ द्वारा वितरित एवं प्रसारित 'एमजीसीयू न्यूज लेटर' के द्वितीय अंक का लोकार्पण कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने किया। द्विभाषी एवं छमाही इस अंक के लोकार्पण कार्यक्रम में सलाहकार बोर्ड के सदस्य, संपादक, सह-संपादक एवं सम्पादकीय टीम के सदस्य शामिल थे। न्यूज लेटर के मुख्य संरक्षक कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने कहा की न्यूज लेटर में जुलाई-दिसम्बर 2024 अवधि में विश्वविद्यालय की विभिन्न अकादमिक गतिविधियों और विश्वविद्यालय के उन्नयन की दिशा में किए जा रहे प्रयासों से सम्बंधित समाचारों का प्रकाशन किया गया है। उन्होंने कहा कि न्यूज लेटर के प्रकाशन अवधि में विश्वविद्यालय को भौतिक स्वरूप में लाने की दिशा में अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए गए। डीपीआर निर्माण से लेकर, द्वितीय दीक्षांत समारोह का आयोजन, दीक्षारम्भ कार्यक्रम और अनेक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों और संस्थानों से अकादमिक समझौते सहित अनेक उपलब्धियां न्यूज लेटर में प्रकाशित हैं। संपादक और सम्पादकीय टीम की सराहना करते हुए कुलपति ने कहा कि न्यूज लेटर का प्रकाशन बहुत सुंदर और सुव्यवस्थित ढंग से किया गया है। इसके माध्यम से विश्वविद्यालय की गतिविधियों को शिक्षकों, शोधार्थियों, विद्यार्थियों और अकादमिक से जुड़े विद्वानों तक पहुँचाने में मदद मिलेगी। संपादक डॉ. परमात्मा कुमार मिश्र ने कहा कि न्यूज लेटर का उद्देश्य विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों को विस्तारपूर्वक पहुँचाना है। उन्होंने कहा कि कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव की प्रेरणा और मार्गदर्शन से विश्वविद्यालय में अध्ययन-अध्यापन के साथ अनेक रचनात्मक गतिविधियों का क्रियान्वयन किया जा रहा है। उनकी जानकारी लोगों को इस न्यूज लेटर के माध्यम से दिया जायेगा। जनसम्पर्क प्रकोष्ठ के समन्वयक व सह-संपादक डॉ. श्याम नंदन ने कहा कि न्यूज लेटर को विश्वविद्यालय और विश्वविद्यालय के बाहर विभिन्न शिक्षण संस्थानों और शिक्षा मंत्रालयों सहित महत्वपूर्ण विभागों में पूर्व की भाँति प्रेषित किया जायेगा। न्यूज लेटर प्रकाशन में सलाहकार बोर्ड के सदस्य प्रो. प्रसून दत्त सिंह, प्रो. शिरीष मिश्र, प्रो. रणजीत कुमार चौधरी, डॉ. अंजनी कुमार झा, संपादक डॉ. परमात्मा कुमार मिश्र, सह-संपादक डॉ. श्याम नंदन और संपादकीय बोर्ड के डॉ. उमेश पात्रा, डॉ. सुनील दीपक घोडके, डॉ. बबलू पाल और जनसम्पर्क अधिकारी शेफालिका मिश्रा और लेआउट डिजाइन के रूप में प्रतीक कुमार का सराहनीय योगदान रहा।

कश्मीर हमारा था, है और रहेगा

भारत और पाकिस्तान के बीच वर्तमान समय में चल रहे टकरावों को लेकर मंगलवार को दो घटनाएं हुई जिनका वैश्विक कूटनीति के लिहाज से विशेष महत्त्व है।सोमवार को राष्ट्र के नाम संबोधन के बाद मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पंजाब के आदमपुर एयरफोर्स स्टेशन पर पहुंचे और पाकिस्तान के झूठ को दुनिया के सामने बेनकाब किया। पाकिस्तान ने इस एयरबेस पर तैनात एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम को ध्वस्त करने का दुष्प्रचार किया था। प्रधानमंत्री ने साफ शब्दों में कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारत की नीति, नीयत और निर्णायक क्षमता की त्रिवेणी है। उनके इस वक्तव्य का अर्थ बहुत स्पष्ट है कि पाकिस्तान दोबारा कायराना आतंकी हमला करता है, तो उसे भारतीय सैनिक मुंहतोड़ जवाब देंगे। प्रधानमंत्री ने पाकिस्तानी सेना को साफ शब्दों में संदेश दिया कि पाकिस्तान में ऐसी जगह नहीं है, जहां आतंकवादी पनाह ले सकें। उन्होंने कहा कि भारत बुद्ध की धरती है तो गुरु गोविंद सिंह जी की भी धरती है। दूसरी ओर, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कश्मीर की मध्यस्थता, भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम, संभावित परमाणु टकराव को रोकने के दावे को एक सिरे से खारिज कर दिया। वास्तव में भारत की कश्मीर नीति पारंपरिक है कि इससे जुड़े किसी भी मुद्दे पर सिर्फ द्विपक्षीय वार्ता होगी और किसी तीसरे देश की मध्यस्थता स्वीकार नहीं की जाएगी। ट्रंप की छवि अविसनीय और अस्थिर नेता की बन गई है। उन्होंने अपने पहले कार्यकाल के दौरान 2019 में भी इसी तरह का जुमला फेंका था कि प्रधानमंत्री मोदी ने उनसे कश्मीर पर मध्यस्थता करने को कहा था। जाहिर है कि ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल में शांतिदूत की भूमिका निभाने का प्रयास कर रहे हैं।

नेताओं के बिगड़े बोल से आहत होती राष्ट्रीयता

ललित गर्ग

सेना के शौर्य पर सम्मान की बजाय अपमान के बिगड़े बोल को लेकर राजनीतिक घमासान छिड़ जाना स्वाभाविक है। कर्नल सोफिया और विंग कमांडर ब्योमिका सिंह के संबंध में क्रमशः मंत्री विजय शाह और सपा महासचिव राम गोपाल यादव द्वारा की गई टिप्पणियों पर राजनीतिक विवाद और कानूनी कार्रवाई की मांग तेज हो गई है। बड़ा प्रश्न है कि क्या धर्म और जाति के नाम पर वोट के लिए सेना और सेना से जुड़ी बेटियों के सम्मान को चोट पहुंचाई जाना उचित है? चाहे सत्ता पक्ष हो या विपक्ष वाणी का संयम अपेक्षित है। भारतीय राजनीति में बिगड़े बोल, असंयमित भाषा एवं कड़ावपन की मानसिकता चिन्ताजनक है। ऐसा लगता है ऊपर से नीचे तक सड़कछाप भाषा ने अपनी बड़ी जगह बना ली है। यह ऐसा समय है जब शब्द सहमे हुए हैं, क्योंकि उनके दुरूपयोग की घटनाएं लगातार जारी हैं। जब देश पहलगाम की त्रासद घटना एवं उसके बाद पाकिस्तान से बदला लेने की शौर्य की महत्वपूर्ण घटना के मोड़ पर खड़ा है, तब कुछ नेताओं के बिगड़े बोल बहुत दुखद और निंदनीय हैं। मध्य प्रदेश में भाजपा सरकार के एक मंत्री विजय शाह एवं समाजवादी पार्टी के रामगोपाल यादव के खिलाफ गुस्सा बढ़ता जा रहा है। विजय शाह को राज्य मंत्रिमंडल से हटाने की मांग तेज हो गई है। कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ विजय शाह की विवादास्पद टिप्पणी एक ऐसा दाग है, जिसे आसानी से नजरंदाज नहीं किया जा सकता। यह मामला सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंचा और मामला भी दर्ज हो गया, तो आश्चर्य नहीं । देश के नेताओं व मंत्रियों को ऐसी हल्की और स्तरहीन बातों से परहेज करना चाहिए। नफरती सोच एवं हेट स्पीच का बाजार बहुत गर्म है। राजनीति की सोच ही दूषित एवं घृणित हो गयी है। नियंत्रण और अनुशासन के बिना राजनीतिक शुचिता एवं आदर्श राजनीतिक मूल्यों की कल्पना नहीं की जा सकती। नीतिगत नियंत्रण या अनुशासन लाने के लिए आवश्यक है सर्वोपरि राजनीतिक स्तर पर आदर्श स्थिति हो, अनुशासन एवं संयम हो, तो नियंत्रण सभी स्तर पर स्वयं रहेगा और इसी से देश एक आदर्श लोकतंत्र को स्थापित करने में सक्षम हो सकेगा। युद्ध जैसे माहौल में सेना एवं उसके नायकों का मनोबल बढ़ाने की बजाय उनके साहस एवं पराक्रम पर छींटाकशी करना दुर्भाग्यपूर्ण है। चर्चा में बने रहने के लिए ही सही, राजनेताओं के विवादित बयान गाहे-बगाहे सामने आ ही जाते हैं, लेकिन ऐसे बयान एक ऐसा परिवेश निर्मित करते हैं जिससे राजनेताओं एवं राजनीति के लिये घृणा पनपती है। यह सही है कि शब्द आवाज नहीं करते, पर इनके घाव बहुत गहरे होते हैं और इनका असर भी दूर तक पहुंचता है और देर तक रहता है। इस बात को राजनेता भी अच्छी तरह जानते हैं इसके बावजूद जुबान से जहरीले बोल सामने आते ही रहते हैं। यह चिंताजनक है कि इधर के वर्षों में कुछ भी बयान दे देने की बुरी आदत बढ़ रही है। बिगड़े बोल वाले नेता बेलगाम हो रहे हैं। कोई दो राय नहीं कि पहले राजनीतिक दलों और उसके बाद सरकारों को इस मोर्चे पर अनुशासन एवं वाणी संयम का बांध बांधना चाहिए । विजय शाह करीब आठ बार चुनाव जीत चुके हैं, मतलब, अनुभवी नेता हैं, तो क्या वह चर्चा में रहने के लिए बिगड़े बोल का सहारा लेते हैं? सर्वोच्च न्यायालय में खिंचाई के बाद अब वह सफाई देने में लगे हैं। उन्होंने स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा है कि उनकी टिप्पणियों को संदर्भ से बाहर ले जाया गया और उनका मकसद कर्नल कुरैशी की बहादुरी की प्रशंसा करना था। उन्होंने यह भी कहा कि कर्नल सोफिया कुरैशी मेरी सगी बहन से भी बढ़कर हैं। वह माफी भी मांग रहे हैं, तो साफ है कि उनका पद खतरे में है। अगर वह पहले ही सावधानी बरतते या गलती होते ही माफी मांग लेते, तो मामला इतना नहीं बढ़ता। विजय शाह का मामला थमा भी नहीं है कि मध्य प्रदेश के ही उप- मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने भी बिगड़े बोल को अंजाम दे दिया है। उनका मानना है कि देश की सेना प्रधानमंत्री के सामने नतमस्तक है। वास्तव में, ऐसी गलतबयानी से किसी के भी सम्मान में वृद्धि नहीं होती है। देश अभी-अभी एक संघर्ष से निकला है। यह एकजुटता और परस्पर समन्वय बढ़ाने के लिए संभलकर बोलने का समय है। राष्ट्रीय एकता एवं राजनीतिक ताने-बाने को ध्वस्त कर रहे जहरीले बोल की समस्या दिन-प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है। संकीर्णता एवं राजनीति का उन्माद एवं 'हेट स्पीच' के कारण न केवल विकास बाधित हो रहा है, सेना का मनोबल प्रभावित हो रहा है, बल्कि देश की एकता एवं अखण्डता भी खण्ड-खण्ड होने के कगार पर पहुंच गयी है। राजनेताओं के नफरती, उन्मादी, द्वेषमूलक और भड़काऊ बोलों को लेकर सर्वोच्च न्यायालय ने भी कड़ी टिप्पणियां की है। भाषा की मर्यादा सभी स्तर पर होनी चाहिए। कई बार आवेश में या अपनी बात कहने के चक्कर में शब्दों के चयन के स्तर पर कमी हो जाती है और इसका घातक परिणाम होता है। मुद्दों, मामलों और समस्याओं पर बात करने की बजाय जब नेता एक-दूसरे पर निजी हमले करने लगें तो यह उनकी हताशा, निराशा और कुंठा का ही परिचायक होता है। यह आज के अनेक नेताओं की आदत सी बन गई है कि एक गलती या झूठ छिपाने के लिए वे गलतियों और झूठ का अंबार लगा देते हैं। क्या यह सत्ता का अहंकार एवं नशा है? संसद में गलती एक बार अटल बिहारी वाजपेयी से भी हुई थी, उन्होंने तत्काल सुधार करते हुए कहा था कि चमड़े की जुबान है, फिसल जाती है। बेशक, अच्छा नेता वही होता है, जो गलतियां नहीं करता और अगर गलती हो जाए, तो तत्काल सुधारता है। जिम्मेदार पदों पर बैठे नेताओं को हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि उनके अच्छे-बुरे बोल व गलत-सही कारनामे इतिहास में दर्ज हो रहे हैं। ध्यान रखना होगा, पहले केवल शब्द वायरल होते हैं, पर अब शब्द के साथ वीडियो भी वायरल होता है। ध्यान रहे, समय के साथ मीडिया का बहुत विस्तार हुआ है और उसका एक बड़ा हिस्सा ऐसी ही गलतबयानी का भूखा है। उसे ऐसे ही बिगड़े बोल वाले कंटेंट की तलाश है। अतः कम से कम देश के जिम्मेदार दलों के नेताओं को कोई भी राष्ट्र-विरोधी अप्रिय या प्रतिकूल ध्वनि नहीं पैदा करनी चाहिए। अनेक राजनीतिक दलों के नेता ऐसे वक्तव्य देते हैं और विवाद बढ़ता देख बाद में सफाई देने से भी नहीं चूकते। वोट के लिए धर्म, सम्प्रदाय, जाति, समाज किसी को भी नहीं छोड़ा जा रहा। पार्टी कोई सी भी हो, नेता अपने विरोधियों के खिलाफ जहर उगलने से नहीं चूकते लेकिन सेना नायकों पर टिप्पणियां बहुत ही घातक है। नेता चाहे सत्ता पक्ष से जुड़े हों या प्रतिपक्ष से, अक्सर वाणी असंयम एवं बिगड़े बोल में हदें पार कर देते हैं। सुप्रीम कोर्ट के समय-समय पर दिए गए निर्देशों की भी इन्हें परवाह नहीं है। पूरे विश्व में आज जब हिंदुस्तान का डंका बज रहा है, तो देश के भीतर और देश के बाहर बैठी 'भारत विरोधी शक्तियां' एकजुट होकर राष्ट्रीय एकता एवं लोकतांत्रित मूल्यों के ताने-बाने को क्षत-विक्षित करना चाहती है। ऐसी शक्तियां किसी भी तरह भारत से विकास का एक कालखंड छीन लेना चाहती हैं। उन्हें नेताओं के बिगड़े बोलों से ऊर्जा मिलती है। सोचने की बात तो यह है कि राजनीतिक भावनाओं एवं नफरती सोच को प्रश्रय देने वाले नेताओं का भविष्य भी खतरे से खाली नहीं हैं। उनका भविष्य कालिमापूर्ण है। उनकी नफरती कोशिशों पर देश एवं दुनिया की नजरे टिकी हैं। वे क्या बोलते हैं, क्या सोचते हैं, इसी से भारतीय लोकतंत्र की गरिमा दुनिया में बढ़ सकती है। जरूरत है कि हमारे राजनीति दल अपनी सोच को परिपक्व बनाये, मतभेदों को स्वीकारते हुए मनभेद को न पनपने दे। "राजनीतिक सिस्टम" की रोग मुक्ति, स्वस्थ समाज एवं राष्ट्र का आधार होगा। राष्ट्रीय चरित्र एवं राजनीतिक चरित्र निर्माण के लिए नेताओं एवं उनके दलों को आचार संहिता से बांधना ही होगा।

सूडोकु नवताल- 7435

कठिनतम

				1			6	
					5			
2		3	9			8		
6							5	
			8		3			
	1							4
		7			1	3		9
			2					
	5			6				

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -7434 का हल

7	6	8	2	1	9	3	4	5
2	1	5	6	3	4	8	7	9
3	4	9	5	7	8	6	1	2
5	7	4	8	6	1	9	2	3
9	2	1	3	4	5	7	8	6
8	3	6	7	9	2	1	5	4
1	5	3	4	8	5	2	9	7
4	9	7	1	2	3	5	6	8
6	8	2	9	5	7	4	3	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

गाजा पट्टी से भी ज्यादा बदहाली की ओर पाकिस्तान

डॉ. अनिल कुमार निगम

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान की हालत 'आगे कुआं, पीछे खाई' वाली हो गई है। वह अपनी आंतरिक समस्याओं के अलावा एक साथ कई समस्याओं से जूझ रहा है। इजराइल ने फिलिस्तीन में आतंकी संगठन हमास के ठिकाने गाजा पट्टी को तबाह किया, लेकिन भारत को पाकिस्तान को पूरी तरह से तबाह करने की जरूरत नहीं पड़ी। ऑपरेशन के बाद से पाकिस्तान के हालात बहुत तेजी से बदल रहे हैं। उसकी स्थिति गाजा पट्टी से ज्यादा खराब और दयनीय होने वाली है। भारत द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ की गई सैन्य, कूटनीतिक, व्यापारिक और द्विपक्षीय कार्रवाई के बाद वह अपने ही द्वारा बुने गए जाल में उलझ गया है। इसका त्वरित प्रभाव में दिखने लगा है और उसने भारत के जल शक्ति मंत्रालय से सिंधु जल संधि पुनः बहाल करने की गुहार भी लगा दी है। वह दिन दूर नहीं जब पाकिस्तान भूख और प्यास से चिल्लाता हुआ आएगा और भारत के साथ मित्रवत व्यवहार करने की कसमें भी खाएगा। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या पाकिस्तान के घड़ियाली आंसुओं पर भारत को कभी भी भरोसा करना चाहिए? क्या भारत को सिंधु जल संधि को बहाल करने पर पुनर्विचार करना चाहिए? क्या भारत को पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को वापस लिए बिना किसी भी तरह की रियायत देनी चाहिए? मैं कहूंगा कि बिलकुल नहीं। पाकिस्तान पूरी तरह से अविश्वनीय, दुष्ट, विश्वासघाती और अमानवीय प्रकृति का देश है। उसे पाकिस्तान की जगह आतंकिस्तान कहना ही बेहतर होगा। पाकिस्तान की हालत गाजा पट्टी से बदतर क्यों हो जाएगी, इसके कई कारण हैं। ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान को धूल चटाने के पहले भारत ने पाकिस्तान पर सिंधु जल संधि निलंबन, वीजा रोक, हवाई-व्यापार बंदी जैसे पांच बड़े प्रतिबंध लागू किए थे। दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम के बावजूद ये प्रतिबंध लागू हैं। वास्तविकता तो यह है कि भारत के इस संधि से अलग होने पर पाकिस्तान की 80 प्रतिशत कृषि भूमि को पानी नहीं मिल रहा। पाकिस्तान की बेचैनी अभी और बढ़ेगी। इसलिए आगे भी भारत को इन्हें प्रतिबंधों को लागू रखना चाहिए। पाकिस्तान ने ऑपरेशन सिंदूर के जवाब में ड्रैगन (चीन निर्मित) के विमान जेएफ 17 और पीएल 15 मिसाइल का इस्तेमाल किया, उनको भारतीय वायुसेना ने धराशायी कर दिया। इसके चलते वैश्विक समुदाय के समक्ष चीन के सैन्य साजो सामान की घटिया गुणवत्ता का एक्सपोजर हो गया है। इससे पाकिस्तान के साथ ही चीन को भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा और जो चीन विश्व के गरीब देशों को हथियार बेच सकता था, उस मोर्चे पर चीन को भी काफी निराशा हाथ लगी है। भारत के पहलगाम में आतंकी हमला, ऑपरेशन सिंदूर पर पलटवार करने के बाद हर मोर्चे पर मुंह की खाने के बाद पाकिस्तान का झूठ वैश्विक समुदाय के समक्ष आ गया है। इसके अलावा ऑपरेशन सिंदर में मारे गए आतंकियों के जनाजे में पाकिस्तान की सेना का मौजूद होना और आतंकियों के ताबूतों को पाकिस्तान के झंडे में लपेटे जाने के बाद संपूर्ण विश्व को पता चल गया कि पाकिस्तान आंतकियों को पालने-पोषने वाला देश है। दूसरा, पाकिस्तान ने एक और झूठ का प्रचार किया कि भारत ने अफगानिस्तान को निशाना बनाकर मिसाइलें दागीं लेकिन इस मामले में अफगानिस्तान ने ही पाकिस्तान को झूठा साबित कर दिया। पाकिस्तान इस समय भीषण आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहा है। वह कटोरा लेकर कभी आईएएफ, चीन अथवा अमेरिका के पास फंड लेने के लिए पहुंच जाता है। हैरानी की बात यह है कि इस समय पाकिस्तान पर करीब 21.6 लाख करोड़ रुपये का सार्वजनिक कर्ज है। ये पाकिस्तान की कुल जीडीपी का 67 प्रतिशत है। वहां पर महंगाई सातवें आसमान पर है। वहां पर बहुत बड़ी आबादी भुखमरी का शिकार है। पाकिस्तान की जनता ने भारत से गलत तरीके से युद्ध करने पर वहां की सरकार से हिसाब मांगना शुरू कर दिया है। पाकिस्तान का एक प्रांत बलूचिस्तान आग की ज्वाला में धधक रहा है। वहां की बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने पाकिस्तान की फौज पर हमला कर खदेड़ दिया है। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव व संघर्ष के दौरान भी बीएलए ने पाकिस्तान की आर्मी पर अनेक हमले किए हैं। बलूच नेता मीर यार ने तो यहां तक ऐलान कर दिया है कि बलूचिस्तान अब पाकिस्तान का हिस्सा ही नहीं है, अब वह आजाद है। उन्होंने इसमें भारत सरकार से भी मदद करने की अपील की है।

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम है। भाई-बहनों से यदि किसी बात को लेकर अनबन चल रही थी, वह दूर होगी। परिवार को समय देने से घर का माहौल खुशनुमा बना रहेगा। आज अपने कॉन्टैक्ट्स के जरीये आपको बिजनेस संबंधी अच्छी जानकारियां मिलेंगी। सरकारी नौकरी कर रहे लोगों को एक्स्ट्रा जिम्मेदारी मिल सकती है। अधिकारियों का दबाव रहेगा। आज किसी समारोह में जाने का प्लान बना सकते हैं।

वृष राशिः आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। आज आपके काम करने की क्षमता में बेहतरीन बदलाव होगा। अपने व्यवहार से लोगों के बीच तालमेल बनाकर रखेंगे। किसी नजदीकी दोस्त की सलाह आपके लिए बहुत उपयोगी साबित होगी। अपनी उर्जा से आप बहुत कुछ हासिल करेंगे बस अपनी काबिलीयत पर भरोसा करें। किसी कठिन परिस्थिति में आपको कुछ लोगों से आसानी से मदद मिल जायेगी।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके अनुकूल बना रहेगा। आज परिवार के साथ घर पर मूवी देखने की प्लानिंग करेंगे। सेहत के लिहाज से आप खुद को तंदुरुस्त महसूस करेंगे। आज किसी काम को लेकर कोशिश कर रहे हैं तो सफलता मिल सकती है। किसी खास इंसान की मदद से आपकी हिम्मत और हौसला बढ़ेगा। मोबाइल और इंमेल से अच्छी खबर मिल सकती है।

कर्क राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज बड़ा और अलग काम करने की सोच सकते है। आज पारिवारिक गतिविधियों में व्यस्तता रहेगी। आर्थिक स्थिति बेहतर करने की कोशिश सफल रहेगी। प्रभावशाली लोगों के साथ संपर्क बनेंगे। जो आगे आने वाले दिनों में आपके लिए फायदेमंद रहेंगे। ऑफिस के उच्चाधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा, बिगड़े काम बन जाएंगे।

सिंह राशिः आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। संतान पक्ष से खास खुशखबरी मिलेगी, घर में सभी लोग खुश होंगे। विरोधी पक्ष आपके सामने नतमस्तक होगा आपका सोशल नेटवर्क मजबूत बनेगा। आज आपके रूटीन में कुछ बदलाव आयेगा। परिवार के किसी समझदार इंसान से महत्वपूर्ण सलाह मिलेगी। अपना काम समय से पूरा करने के लिए आप नई तकनीको का सहारा लें आपका काम आसान होगा।

कन्या राशिः आज आपका दिन शानदार रहेगा। परिवार के सामने आपको अपनी राय रखने का पूरा मौका मिलेगा, आपकी योजना से लोग काफी प्रभावित होंगे। आज समय अनुकूल है, लेकिन मेहनत के अच्छे नतीजे हासिल करने के लिए कर्म प्रधान होना पड़ेगा। आज प्रॉपर्टी खरीदने-बेचने की योजना बनाई है तो वो पूरी हो सकती है। आज परिवार में तालमेल रहेगा। आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। आप अपने घर का डेकोरेशन फेस्टिवल के अनुसार करेंगे।

तुला राशिः आज आपका दिन व्यस्तता से भरा रहेगा। आज आपको पुरानी बातों के झंझट में पड़ने से बचना चाहिए। लवमेट एक दूसरे की भावनओं को समझेंगे, कहीं बाहर घूमने का प्लान बनायेंगे। आज दोस्तों के साथ मेल मुलाकात होगी। असंभव काम पूरा होने से आप खुश रहेंगे। निजी मामलों का खुलासा बाहरी लोगों के सामने न करें।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन उमंग से भरा रहेगा। मिलजुल कर किये गए कार्यों में आपको बहुत हद तक सफलता मिलेगी। निवेश के मामलें में आपको घर के बड़ों से नई सलाह मिलेगी। आज घर के बड़े लोगों के मार्गदर्शन में पिछले कुछ समय से रुके हुए काम पूरे होंगे। नया व्हीकल खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो समय अच्छा है।

धनु राशिः आज नए कार्यों को करने में आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। किसी काम में जीवनसाथी की सलाह फायदेमंद रहेगी। आज आप नई जिम्मेदारी लेने में थोड़ा संकोच करेंगे। आज आपकी रूटीन में कुछ बदलाव होंगे। आप धर्म, योगाभ्यास जैसे कामों में व्यस्त रहेंगे और मानसिक सुकून महसूस करेंगे। खास काम की नींव रखने के लिए दिन बहुत अच्छा है। जीवनसाथी के साथ बेहतर तालमेल बना रहेगा।

मकर राशिः आज आपका दिन व्यस्तता में बीतेगा। बॉस आपको नई जिम्मेदारी सौंप सकते हैं जिसे आप पूरी लग्न और मेहनत से करेंगे, काम को लेकर आपकी तारीफ होगी। आपके आय के नए स्त्रोत बनेंगे, आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। कला और साहित्य के क्षेत्र में रुझान रहेगा।

कुंभ राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज रोजमर्रा के कामों में आपको ज्यादा समय लग सकता है। आज कारोबार में पैसा लगाने से पहले बड़ों की राय लेना आपके लिए बेहतर साबित होगी। पिता बच्चों की इच्छाएं पूरी करने की कोशिश करेंगे। इस राशि के जो लोग नया बिजनेस करना चाहते हैं उनके लिए आज मार्केट एनालिसिस करना बेहतर होगा।

मीन राशिः आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज घर के बड़ों की मदद से आपका जरूरी काम पूरा हो जायेगा। किसी रिश्तेदार से आपको अच्छी खुशखबरी मिलेगी। जीवनसाथी आज आपकी हर बात समझने की कोशिश करेंगे, इससे रिश्तों में नयापन आयेगा।

एक ब्रह्म दूसरा कुछ भी नहीं

हृदयनारायण दीक्षित

संसार अस्तित्व का अंग है और अंतःकरण से समझा जाता है। अंतःकरण भौतिक होता है। इसमें आकाश, वायु, अग्नि, जल, और पृथ्वी पांचो भूत हैं। अंतःकरण निद्राकाल छोड़कर हमेशा चंचल रहता है। यह समस्त इंद्रियों के प्रपंचों का स्थान है और इंद्रियों की सीमा से भिन्न है। अंतःकरण ही सांसारिक विषयों के संपर्क में रहता है। यह वाह्य इंद्रियों से प्राप्त विषयों को ग्रहण करता है। उन्हें व्यवस्थित करता है। अंतःकरण में विषयों के संपर्क से आकृतियां बनती हैं। अंतःकरण की चार आकृतियां मानी जाती हैं-अनिश्चय, निश्चय, आत्मचेतन और स्मरण। जब अंतःकरण संशय की स्थिति में होता है तब इसे 'मन' कहते हैं। जब यह निश्चय की स्थिति में होता है तब इसे बुद्धि कहते हैं। आत्मचेतन की स्थिति में इसे अहंकार कहते हैं। स्मरण की स्थिति में इसे चित्त कहते हैं। जीव का साक्षी तत्व चैतन्य है। वह तटस्थदृष्टा है। इसमें दिखाई पड़ने वाली सक्रियता आभास है। सक्रियता अंतःकरण का स्वभाव है। साक्षी अंतःकरण की वृत्ति का निष्क्रिय दर्शक है। यह भौतिक तत्व नहीं है। जीव भौतिक और अभौतिक तत्वों का योग है। जीव ज्ञाता है और ज्ञेय भी है। अद्वैत वेदांत का ब्रह्म सिद्धांत रोचक है। रस्सी को सांप समझकर डरना तब तक भ्रम है जब तक वास्तविकता का पता नहीं चलता। शंकराचार्य ने कहा कि, ''भ्रम में भी कोई बाह्य अर्थ जरूर होता है। वह ज्ञान और ब्रह्म की विषय वस्तु को भिन्न मानता है। वास्तविक वस्तु का ज्ञान भी निर्णायक नहीं है। असली बात समय से जुड़ी हुई है।'' शंकराचार्य के आलोक में देखें तो किसी वस्तु के सम्बंध में भ्रम और वास्तविक ज्ञान के बीच में समय का अंतर है। दोनों अनित्य हैं। अल्पकालिक हैं। प्रत्यक्ष के लिए प्रमाण की जरूरत नहीं होती। अद्वैतवाद की प्रमाण मीमांसा व्यवहारिक जीवन के लिए है। आत्मा या ब्रह्म प्रमाणों का विषय नहीं है। शंकराचार्य ने कहा है, ''प्रत्यक्ष सहित सभी प्रमाण और सभी शास्त्र अविद्या में हैं। शास्त्र तथा अन्य प्रमाणों का उपयोग अविद्या का आवरण हटाने के लिए है। कोई भी साक्ष्य या प्रमाण भावनात्मक रूप में ब्रह्म का बोध नहीं करा सकते। सत्य पर अविद्या का आवरण है। वही आवरण हटता है। ब्रह्म अपने आप प्रकट हो जाता है।'' शंकराचार्य के अनुसार ज्ञान हमेशा ज्ञाता और उसके बाहर की ओर दिखाई पड़ता है। बाह्य अर्थ का निषेध करते ही ज्ञान असंभव हो जाता है। ब्रह्म के समय प्राप्त ज्ञान विशेष प्रकार का होता है और व्यक्तिगत होता है। लेकिन वास्तविक ज्ञान सार्वभौम होता है। ब्रह्म की संपूर्ण विषयवस्तु अनुभव प्राप्त होने तक रहती है। अस्थाई होती है। ज्ञान की विषयवस्तु स्थाई होती है। शंकराचार्य व्यवहारिक वस्तुओं की सत्ता को स्वीकार करते हैं। उनकी दृष्टि में प्रतीति का अर्थ अस्तित्ववान होना है। शंकराचार्य के अनुसार ब्रह्म एकमात्र सत्य है। उसकी व्याख्या नहीं हो सकती। उसका कोई गुण नहीं। इसलिए कोई लक्षण नहीं। इसलिए उसे विचार का विषय नहीं बनाया जा सकता। विचार करने के लिए आवश्यक है कि विचारणीय विषयवस्तु का कोई गुण होना चाहिए। कोई लक्षण होना चाहिए। कठिनाई बड़ी है। ब्रह्म का विवेचन करें तो कैसे करें? इसलिए ब्रह्म का विवेचन निषेध पद्धति से ही संभव है। कुछ कुछ यही बात पश्चिमी दार्शनिक स्पिनओजा ने ईश्वर के सम्बंध में कही हैं, ''ईश्वर का वर्णन निषेधात्मक होता है। जैसे आत्मा के बारे में गीता में कहते हैं कि उसे आग जला नहीं सकती, शस्त्र उसे मार नहीं सकते, जल उसे भिगो नहीं सकता, हवाएं उसे सुखा नहीं सकती। वैसे ही भारतीय दर्शन का ब्रह्म है।'' ब्रह्म यहां निस्संदेह अनिर्वचनीय हैं, लेकिन वह अज्ञेय नहीं है। ब्रह्म का ज्ञानी ब्रह्म हो जाता है। उपनिषदों की घोषणा है 'अहम ब्रह्मास्मि'। रामानुज और शंकराचार्य के अद्वैतवाद में थोड़ा अंतर है। शंकराचार्य के अनुसार ब्रह्म पारमार्थिक दृष्टि से निर्गुण है। व्यवहारिक प्रयोजनों की दृष्टि से सगुण है। रामानुज के अनुसार ब्रह्म केवल सगुण है और सविशेष है। शंकराचार्य का ब्रह्म व्यक्तित्व रहित है और अमूर्त है, लेकिन रामानुज का ब्रह्म एक व्यक्तित्व है और मूर्त है। महत्वपूर्ण बात यह है कि शंकराचार्य का ब्रह्म और ईश्वर एक नहीं है। वह ब्रह्म को सत मानते हैं और ईश्वर को ब्रह्म का स्वरूप, लेकिन रामानुज ब्रह्म और ईश्वर को एक ही मानते हैं। एक समय ब्रह्म और ईश्वर को लेकर काफी भेद की बातें चली थी। जीव को ईश्वर का अंश कहा जाता है। रामचरितमानस में कहते हैं, ''ईश्वर अंश जीव अविनाशी'', लेकिन शंकराचार्य के अनुसार जीव का अंशत्व वास्तविक नहीं है। यह अविद्या जनित प्रतीति है। भारतीय चिंतन में ब्रह्म की व्यापक चर्चा है। यहां ब्रह्म को परमार्थिक अभौतिक जानकर निरस्त नहीं किया गया। अनेक तत्ववेत्ता, अनेक विवेचक, अनेक मत। महाभारत के यक्ष प्रश्नों के उत्तर में युधिष्ठिर यही कहते हैं। ऋग्वेद में एक देवता हैं अदिति। ऋषि प्रार्थना करते हैं, ''अदिति धरती हैं। अदिति आकाश हैं। अदिति अंतरिक्ष और परम व्योम हैं। अदिति हमारे माता-पिता हैं। अदिति हमारे पुत्र और पुत्री हैं। यहां सब कुछ अदिति ही हैं। जो अब तक हो चुका है और जो आगे होने वाला है, वह सब अदिति ही हैं।'' यहां समय का अतिक्रमण हुआ है। अदिति के नाम को लेकर भ्रम न पैदा हो, संभवतः इसीलिए ऋग्वेद के पुरुष सूक्त में कहते हैं, ''पुरुष एवेदं सर्वं यद्भूतं यच्च भव्यम्''-जो अब तक हो चुका है, जो आगे होने वाला है, वह सब पुरुष ही है। छान्दोग्य उपनिषद में नारद को सनत् कुमार ने बताया था, ''यह सब भूमा ही है। भूमा यहां संपूर्णता का पर्याय है।'' ऋषि नारद से कहते हैं, ''जहां संपूर्णता है, वहीं सुख है। जहां अल्पता है, वहीं दुख है।'' उत्तर वैदिक काल के ऋषियों के चित्त में बार बार गूंजने वाला ब्रह्म यही है। इसीलिए उपनिषदों की ही परंपरा में गीता में कहते हैं, ''ब्रह्म हमारे सामने हैं। ब्रह्म हमारे पीछे हैं। ब्रह्म हमारे दाएं हैं। ब्रह्म हमारे बाएं हैं। जो देखने वाला है, वह ब्रह्म है। जो कुछ दिखाई पड़ रहा है, वह भी ब्रह्म है। यत्र तत्र सर्वत्र ब्रह्म की ही उपस्थिति है।'' ब्रह्मसूत्र में बादरायण ने भूमा के लिए कहा है, ''भूमा वही है। वही माने ब्रह्म।'' फिर कहा है, ''पुरुष भी वही है।''

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

गुजरात, पंजाब और बैंगलोर प्लेऑफ में, चौथी जगह के लिए मुकाबला 3 टीमों के बीच

नई दिल्ली। रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) के डबल हेडर में आए नतीजों ने प्लेऑफ की तस्वीर काफी हद तक साफ कर दी है। गुजरात टाइटंस और पंजाब किंग्स की जीत ने दोनों टीमों को प्लेऑफ का टिकट दिला दिया, वहीं रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर भी अंतिम चार में जगह बनाने में सफल रही है। शनिवार को बेंगलुरु में बारिश के कारण मैच रद्द होने से गत चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स बाहर हो गई। अब बचे हुए एक प्लेऑफ स्थान के लिए मुंबई इंडियंस, दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच जबरदस्त टक्कर है।

गुजरात टाइटंस (क्वालिफाई कर चुके हैं)

बचे मैच: एलएसजी,सीएसके ।

अभी अंक तालिका में शीर्ष पर मौजूद गुजरात टाइटंस टॉप-2 में जगह बनाने की सबसे मजबूत दावेदार है। अगर वे अपने दोनों मुकाबले जीतते हैं, तो टॉप-2 स्थान सुनिश्चित हो जाएगा। एक जीत और एक हार की स्थिति में उन्हें पंजाब या बैंगलोर में से किसी एक के हारने की जरूरत होगी। गुजरात अपने दोनों मुकाबले घरेलू मैदान पर खेलेगी जहां उनका रिकॉर्ड इस सीजन में 4-1 का रहा है।

पंजाब किंग्स (क्वालिफाई कर चुके हैं)

बचे मैच: दिल्ली, मुंबई।

पंजाब किंग्स ने 2014 के बाद पहली बार प्लेऑफ में एंट्री लेकर अपने फैंस को बड़ी खुशी दी है। अगर वे अपने दोनों बचे मैच जीतते हैं, तो टॉप-2 की दौड़ में भी रहेंगे। इसके लिए उन्हें उम्मीद करनी होगी कि गुजरात या बैंगलोर में से कोई एक टीम कम से कम एक मुकाबला हारे। नेट रन रेट के मामले में बैंगलोर (+0.482) को फिलहाल पंजाब (+0.389) पर हल्की बढ़त हासिल है।

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (क्वालिफाई कर चुके हैं)

बचे मैच: हैदराबाद, एलएसजी ।

रविवार के नतीजों से बैंगलोर ने भी प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर ली। पंजाब की तरह ही बैंगलोर भी टॉप-2 के लिए

संघर्ष कर रही है। उनकी राह थोड़ी आसान मानी जा रही है क्योंकि वे हैदराबाद और लखनऊ जैसी कमजोर फॉर्म में चल रही टीमों से भिड़ेंगे। अगर बैंगलोर एक मैच हारती है, तो पंजाब और गुजरात उनसे आगे निकल सकते हैं।

मुंबई इंडियंस:-

बचे मैच: दिल्ली, पंजाब।

मुंबई इंडियंस के पास प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने का सबसे अच्छा मौका है। अगर वे अपने दोनों मैच जीत लेते हैं, तो टॉप-4 में पहुंचना तय है। अगर दिल्ली के खिलाफ जीत मिलती है और लखनऊ अपने मैच हारती है, तो मुंबई क्वालिफाई कर लेगी। हालांकि, एक हार से समीकरण मुश्किल हो सकते हैं। अगर वे दिल्ली से हार जाते हैं और पंजाब को हराते हैं, तो दिल्ली भी उन्हें पछाड़ सकती है। मुंबई के पास टॉप-2 में पहुंचने का बाहरी मौका भी है, बशर्ते वे 18 अंक तक पहुंचें और पंजाब व बैंगलोर दोनों 17 अंकों पर रह जाएं।

दिल्ली कैपिटल्स:-

बचे मैच: मुंबई, पंजाब।

दिल्ली ने शानदार शुरुआत के बाद बैकफुट पर खेल दिखाया है। पिछले आठ में से पांच मुकाबले हारने वाली टीम अब डूबती नजर आ रही है। अगर बुधवार को मुंबई से हारते हैं तो टूर्नामेंट से बाहर हो जाएंगे। दिल्ली के पास अब एक ही विकल्प है — दोनों मैच जीतकर 17 अंकों पर पहुंचना और बाकी टीमों की हार की प्रार्थना करना।

लखनऊ सुपर जायंट्स:-

बचे मैच: हैदराबाद, आरसीबी।

लखनऊ की टीम लगातार हार के कारण मुश्किल में है और अब उसे प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए अपने तीनों मैच जीतने होंगे।

बुमराह को कप्तान बनाने के पक्ष में इशांत

नई दिल्ली। पूर्व तेज गेंदबाज इशांत शर्मा का का मानना है कि आगामी इंग्लैंड दौरे के लिए जसप्रीत बुमराह को भारतीय टीम की कप्तानी दी जानी चाहिये। इशांत के अनुसार अगर बुमराह पूरी सीरीज खेलने के लिए उपलब्ध नहीं होते है तभी शुभमन गिल को कप्तानी दी जानी चाहिये। इंग्लैंड दौर के ठीक पहले अचानक ही रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के कारण अगले कप्तान की तलाश जारी है। कप्तानी की दौड़ में शुभमन का नाम सबसे आगे हैं हालांकि पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर और अनिल कुंबले बुमराह को कप्तान बनाये जाने के पक्ष में हैं पर कई खिलाड़ियों का मानना है कि बुमराह की खराब फिटनेस को देखते हुए वह कप्तानी के योग्य नहीं हैं। इशांत ने कहा कि अगर बुमराह फिट होते हैं तो मैं कहूंगा कि बुमराह को कप्तानी मिलनी चाहिये क्योंकि उनके पास

लंबा अनुभव है। लेकिन अगर वह सभी पांच टेस्ट मैच नहीं खेलेंगे तो शुभमन को ये जिम्मेदारी दें। बुमराह इससे पहले 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ हुए 5वें टेस्ट और ऑस्ट्रेलिया में 2024-25 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले और पांचवें टेस्ट में भारत की कप्तानी कर चुके हैं। हालांकि उनकी फिटनेस को लेकर सवाल उठते रहे है। दो साल पहले ही उनकी पीठ की सर्जरी हुई थी। इसी कारण वह जनवरी में सिडनी टेस्ट के दूसरे के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से दूर रहे। वह चैंपियंस ट्रॉफी भ नहीं खेल पाये। थे। वहीं शुभमन को सीमित ओवरों के कुछ मैचों में कप्तानी का अनुभव है। इसके अलावा आईपीएल में भी वह वह गुजरात टाइटन्स के कप्तान के रूप में सफल रहे हैं। वहीं इस तेज गेंदबाज ने विराट कोहली के संन्यास को लेकर कहा कि मुझे कभी नहीं लगा कि वह विराट कोहली है। मेरी लिए वह बचपन का दोस्त है। मैंने उसे हमेशा ऐसे ही देखा है। उसने मुझे भी ऐसे ही देखा है।

आरसीबी फाइनल में पहुंची तो स्टेडियम में रहूंगा : विलियर्स

जोहांसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज एबी डी विलियर्स ने कहा है कि अगर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम आईपीएल फाइनल में पहुंची तो वह मैच देखने भारत जाएंगे। लंबे समय तक आरसीबी से खेले विलियर्स ने कहा है कि इस बार टीम ने काफी अच्छा खेला है और वह खिताब जीत सकती है। इस क्रिकेटर के अनुसार इस बार आरसीबी बहुत अच्छा खेल रही है और यह टीम प्लेऑफ में अपनी जगह तकरीबन पक्की कर चुकी है। विलियर्स ने आईपीएल में 11 साल तक आरसीबी से खेला है। वह साल 2011 से 2021 तक टीम में रहे हैं। उनकी विराट कोहली के साथ कई धमाकेदार पारियां रहीं हैं। एक समय ऐसा था जब आरसीबी के पास कोहली, डी विलियर्स और क्रिस गेल जैसे खतरनाक बल्लेबाज थे। हालांकि टीम इसके बाद भी एक बार भी आईपीएल खिताब नहीं जीत पायी थी। इस सीजन में टीम के बेहतरीन प्रदर्शन को देखकर उत्साहित डी विलियर्स ने कहा कि वह अपने करीबी दोस्त विराट कोहली के साथ ट्रॉफी उठाना चाहते हैं। इसलिए, अगर आरसीबी फाइनल में पहुंचती है तो वह निश्चित रूप से भारत आएंगे। डी विलियर्स ने कहा,

अगर आरसीबी फाइनल में पहुंचती है तो मैं टीम के साथ स्टेडियम में रहूंगा क्योंकि। विराट कोहली के साथ उस ट्रॉफी को उठाने से ज्यादा खुशी मुझे किसी और चीज में नहीं मिलेगी। आईपीएल का फाइनल 3 जून को खेला जाएगा, जबकि प्लेऑफ 29 मई से शुरू होंगे। क्वालिफायर 1 और एलिमिनेटर क्रमशः 29 और 30 मई को खेले जाएंगे, जबकि क्वालिफायर 2, 1 जून को होगा।

आईपीएल 2025: गुजरात ने दिल्ली को 10 विकेट से हराया, बनी प्लेऑफ में पहुंचने वाली पहली टीम

- दिल्ली की हार के बाद पंजाब और बेंगलुरु भी प्लेऑफ में

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के 60वें मैच में गुजरात टाइटंस ने दिल्ली कैपिटल्स को 10 विकेट से मात दी। दिल्ली की ओर से मिले 200 रन के लक्ष्य को गुजरात ने 6 गेंद शेष रहते हासिल कर लिया। एक ओर जहां जीत के साथ गुजरात प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने वाली पहली टीम बनीं। वहीं दिल्ली की हार ने पंजाब किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए भी प्लेऑफ का स्पॉट फिक्स कर दिया। अब सिर्फ चौथे स्थान के लिए मुंबई, दिल्ली और लखनऊ में होड़ रहेगी। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में रविवार को खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए दिल्ली ने 3 विकेट के नुकसान पर 199 रन का स्कोर खड़ा किया। केएल राहुल ने 65 गेदों पर 112 रन की नाबाद पारी खेली। जबकि फाफ डु प्लेसिस ने 5 रन, अभिषेक पोरेल ने 30 रन और कप्तान अक्षर पटेल ने 25 रन बनाए।राहुल ने एक छोर संभालते हुए न सिर्फ अपना शतक जमाया बल्कि टीम के स्कोर को 199 रन तक पहुंचाया। राहुल ने अपनी पारी में 14 चौके और चार छक्के जड़े। गुजरात की ओर से अरशद खान, साई किशोर और प्रसिद्ध कृष्णा को एक-एक सफलता मिली। 200 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात टाइटंस की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 19 ओवर में ही लक्ष्य का हासिल कर लिया। गुजरात के दोनों सलामी बल्लेबाज दिल्ली के गेंदबाजों की बखिया उधेड़ते रहे और 6 गेंद शेष रहते हुए 205 रन बना लिया। कप्तान शुभमन गिल ने 93 रन और साई सुदर्शन ने 108 रन की नाबाद पारी खेली।

रोमांचक मैच में पंजाब किंग्स की 10 रन से जीत, शशांक-नेहल के अर्धशतक

जयपुर। पंजाब किंग्स ने आईपीएल 2025 के 59वें मैच में राजस्थान रॉयल्स पर 10 रन रोमांचक जीत हासिल की। इस जीत के साथ पंजाब किंग्स मौजूदा सीजन के पॉइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर आ गई है। सवाई मानसिंह स्टेडियम में 220 रन का टारगेट चेज कर रही राजस्थान 20 ओवर में 7 विकेट पर 209 रन ही बना सकी। पंजाब ने टॉस जीतकर बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 219 रन बनाए थे। पंजाब की ओर से शशांक सिंह 30 बॉल पर 59 रन बनाकर नाबाद लौटे, जबकि नेहल वाधेरा ने 37 बॉल पर 70 रन बनाए। राजस्थान से तुषार देशपांडे ने 2 विकेट झटके। जवाबी पारी में यशस्वी जायसवाल (50 रन)

और वैभव सूर्यवंशी (40 रन) ने राजस्थान को विस्फोटक शुरुआत दिलाई। दोनों ने 29 बॉल पर 76 रन की ओपनिंग साझेदारी की। लेकिन, टीम ने मिडिल ओवर्स में 3 विकेट गंवा दिए। यशस्वी जायसवाल 50, संजू सैमसन 20 और रियान पराग 13 रन बनाकर आउट हुए। ऐसे में ध्रुव जुरेल (53 रन) ने फिफ्टी लगाकर पारी को संभाला, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। पंजाब के हरप्रीत बरार ने 3 विकेट हासिल किए।

व्यापार

सप्ताह के पहले दिन कंसोलिडेशन के मूड में दिखा शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज सप्ताह के पहले दिन ही कंसोलिडेशन होता हुआ नजर आया। आज के कारोबार की सपाट स्तर पर मिली जुली शुरुआत हुई। पूरे दिन के कारोबार में लिवालों और बिकवालों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश चलती रही, जिसके कारण शेयर बाजार की चाल भी लगातार ऊपर नीचे होती रही। इस खींचतान में अंततः बिकवालों का पलड़ा भारी रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.33 प्रतिशत और निफ्टी 0.30 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान रियल्टी, पीएसयू बैंक, फार्मास्यूटिकल और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और मेटल इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। आईटी, टेक, ऑयल एंड गैस, एफएमसीजी और कैपिटल गुड्स सेक्टर के शेयरों में आज लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज आमतौर पर खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.27 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.75 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के बावजूद ब्रॉडर मार्केट में हुई खरीदारी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 70 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 443.58 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को

इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 442.84 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 74 हजार करोड़ रुपये का फायदा हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,273 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,524 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,571 शेयरों में गिरावट का रुख रहा और 178 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,625 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,654 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 971 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 10 शेयर बढ़त के साथ और 20 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 19 शेयर हरे निशान में और 31 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 24.33 अंक की मामूली बढ़त के साथ 82,354.92 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही लिवालों और बिकवालों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल भी लगातार ऊपर नीचे होती रही। खरीदारी के सपोर्ट से यह सूचकांक सुबह 10 बजे के थोड़ी देर बाद 93.51 अंक की मजबूती के साथ 82,424.10 अंक तक पहुंचा, लेकिन इसके बाद बाजार में बिकवाल हावी हो गए। इस बिकवाली की वजह से यह सूचकांक 366.02 अंक टूट कर 81,964.57 अंक तक गिर गया। हालांकि, आखिरी वक्त में इंट्रा-डे सेटलमेंट के कारण हुई खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स निचले स्तर से 90 अंक से अधिक की रिकवरी करके 271.17 अंक की कमजोरी के साथ 82,059.42 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के विपरीत एनएसई के निफ्टी ने आज 14.45 अंक की गिरावट के साथ 25,005.35 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक की चाल में भी उतार-चढ़ाव होता रहा। खरीदारी के सपोर्ट से यह सूचकांक 43.15 अंक की मजबूती के साथ 25,062.95 अंक तक पहुंचने में सफल रहा। बिकवाली का दबाव बनने पर इसने 103.15 अंक टूट कर 24,916.65 अंक तक गोता भी लगाया।

सर्राफा बाजार में चमका सोना, चांदी का भी बढ़ा भाव

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज तेजी का रुख नजर आ रहा है। आज सोने के भाव में 350 रुपये से लेकर 380 रुपये तक की तेजी दर्ज की गई है। इसी तरह चांदी भी आज एक हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक महंगा हो गया है। कीमत में आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 95,510 रुपये से लेकर 95,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 87,550 रुपये से लेकर 87,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 98,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। दिल्ली में 24 कैरेट

सोना 95,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 87,700 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 95,510 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 87,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 95,560 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 87,600 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 95,510 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 87,550 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 95,510 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 87,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 95,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 87,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 95,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 87,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 95,660 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 87,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

आयात पर रोक से बांग्लादेश को 770 मिलियन डॉलर का झटका : जीटीआरआई

कोलकाता। भारत द्वारा बांग्लादेश से आयातित कई वस्तुओं पर प्रतिबंध लगाने के फैसले से पड़ोसी देश को लगभग 770 मिलियन डॉलर का झटका लगने वाला है, जो कि दोनों देशों के बीच कुल आयात का करीब 42 प्रतिशत है। यह जानकारी ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के ताजा विश्लेषण में सामने आई है। बांग्लादेश से वस्त्र, प्रसंस्कृत खाद्य और प्लास्टिक उत्पादों जैसे प्रमुख आयातित सामान अब केवल कुछ सीमित समुद्री बंदरगाहों से ही भारत में आ सकेंगे या फिर पूरी तरह भूमि सीमा से प्रतिबंधित कर दिए गए हैं। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय की ओर से 17 मई को जारी आदेश के अनुसार यह कदम भारत की व्यापार नीति में एक अहम मोड़ का संकेत है, जिसमें स्पष्ट रूप से राजनीतिक संदेश छिपा है। जीटीआरआई ने कहा कि यह फैसला अचानक नहीं लिया गया है, बल्कि यह बांग्लादेश द्वारा भारतीय उत्पादों पर लगाए गए प्रतिबंधों और चीन की ओर उसके कूटनीतिक झुकाव का जवाब प्रतीत होता है। बांग्लादेश से आयातित वस्त्र, जिसकी वार्षिक लागत करीब 618 मिलियन डॉलर है, अब केवल कोलकाता और न्हावा शेवा बंदरगाहों के माध्यम से ही भारत में प्रवेश कर सकेंगे। इससे बांग्लादेश की मुख्य भूमि व्यापार गलियारों तक पहुंच लगभग बंद हो जाएगी। यह निर्णय विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) की सिफारिश पर लिया गया है और इसे भारत की एक रणनीतिक प्रतिक्रिया माना जा रहा है। दिसंबर 2024 से बांग्लादेश ने भारतीय वस्तुओं पर कई व्यापारिक प्रतिबंध लगाए हैं। अप्रैल में उसने पांच प्रमुख स्थल सीमा बंदरगाहों से भारतीय सूती धागे के आयात पर रोक लगाई । चावल के निर्यात पर कड़े नियंत्रण किए और तंबाकू, मछली और दूध पाउडर समेत दर्जनों भारतीय वस्तुओं पर रोक लगा दी। इसके अलावा, बांग्लादेश ने भारतीय कार्गो पर 1.8 टका प्रति टन प्रति किलोमीटर का ट्रांजिट शुल्क भी लगा दिया, जिससे लॉजिस्टिक्स लागत और अधिक बढ़ गई।

इन प्रतिबंधों से भारतीय निर्यातकों को भारी नुकसान हुआ और भारतीय व्यापार संगठनों में जवाबी कार्रवाई की मांग तेज हो गई। बांग्लादेशी बंदरगाहों पर देरी और सख्त जांच ने स्थिति को और बिगाड़ दिया। भारत ने 2020 में बांग्लादेश को दी गई एक अहम ट्रांजिट सुविधा नौ अप्रैल को रद्द कर दी, जिसके तहत वह भारतीय बुनियादी ढांचे, विशेष रूप से दिल्ली हवाई अड्डे के माध्यम से यूरोप और मध्य पूर्व को सामान भेज सकता था। अब यह सुविधा केवल नेपाल और भूटान तक सीमित कर दी गई है।

स्टॉक मार्केट में वर्चुअल गैलेक्सी इंफोटेक की जोरदार एंट्री, प्रीमियम लिस्टिंग के बाद लगा अपर सर्किट

नई दिल्ली। आईटी सर्विस देने वाली कंसल्टिंग फर्म वर्चुअल गैलेक्सी इंफोटेक के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। कंपनी के शेयर 142 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी एंट्री 26.76 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 180 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के तुरंत बाद खरीदारी के सपोर्ट से यह शेयर उछल कर 189 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को करीब 33.10 प्रतिशत का मुनाफा हो गया। वर्चुअल गैलेक्सी इंफोटेक का 93.29 करोड़ रुपये का आईपीओ 9 से 14 मई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 231.45 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 129.72 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 590.27 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 134.03 गुना सब्सक्राइब हुआ

था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 65.70 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी नागपुर में अतिरिक्त डेवलपमेंट फैसिलिटी सेटअप करने, पुराने कर्ज को चुकाने, डेटा सेंटर में सर्वर और स्टोरेज सिस्टम लगाने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2021-22 में कंपनी को 40 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2022-23 में बढ़कर 72 लाख रुपये और 2023-24 में 16.54 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 21 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउमंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 63.58 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

एलआईसी के नामित निदेशक राज कुमार आईडीबीआई बैंक के बोर्ड से बाहर

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के नामित निदेशक राज कुमार 18 मई से भारतीय औद्योगिक विकास बैंक (आईडीबीआई) बोर्ड की सदस्यता से बाहर हो गए हैं। आईडीबीआई बैंक ने सोमवार को एक नियामक फाइलिंग में शेयर बाजार को बताया कि राज कुमार 18 मई को अपना कार्यकाल पूरा होने पर आईडीबीआई बैंक लिमिटेड के बोर्ड की सदस्यता से बाहर हो गए हैं, जिससे वे एलआईसी में नामित निदेशक नहीं रहेंगे। सरकार और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) आईडीबीआई बैंक के प्रवर्तक हैं, जिनकी हिस्सेदारी 94.71 फीसदी है। एलआईसी के पास 49 फीसदी से थोड़ा अधिक हिस्सेदारी है, जिसमें सरकार की हिस्सेदारी 45.48 फीसदी है। आईडीबीआई बैंक भारत के प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से एक है। यह देश का चौथा सबसे

बड़ा बैंक है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने इस बैंक को 'अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक' की श्रेणी में रखा है। आईडीबीआई बैंक के शेयर आज बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर पिछले बंद भाव से 3.45 अंक यानी 4.01 फीसदी बढ़कर 89.46 रुपये प्रति शेयर पर कारोबार कर रहे थे।

हर उस दिल की धड़कन के साथ हूं

जो हमारे देश के लिए धड़कती हैः करिश्मा तन्ना

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव लगातार बढ़ा हुआ है। भारतीय सेना पाकिस्तान की हरकतों का करारा जवाब दे रही है। पूरा देश सेना के साथ खड़ा है। बॉलीवुड सेलिब्रिटीज भी खुलकर सरहद पर देश की रक्षा करने वालों का हौसला बढ़ा रहे हैं। इस कड़ी मशहूर एक्ट्रेस करिश्मा तन्ना ने भारतीय सैनिकों को सलाम करते हुए कहा कि वह हम आपकी वजह से सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। करिश्मा तन्ना ने इंस्टाग्राम पोस्ट पर लिखा , जय हिंद, जय भारत.. इस समय, जो हम अपना जीवन सुख से जी रहे हैं। इसके पीछे हमारी सीमाओं पर खड़े बहादुर सैनिक हैं, जो अपना सब कुछ दांव पर लगाकर हमें सुरक्षित महसूस करा रहे हैं। हर सैनिक, हर अधिकारी, हर परिवार.. जो चुपचाप डटे हुए हैं, उनके प्रियजन हमारे देश के लिए लड़ रहे हैं, उनके लिए धन्यवाद कहना बहुत छोटा लगता है। मैं भारत के साथ खड़ी हूं। हर जवान के साथ। हर उस दिल की धड़कन के साथ, जो हमारे देश के लिए धड़कती है। आपकी सुरक्षा के लिए प्रार्थना करती हूं। आपके साहस को सलाम करती हूं। भारत आपके कारण है। जयहिंद, जय भारतीय सेना। करिश्मा के अलावा, बॉलीवुड एक्ट्रेस नोरा फतेही ने भी भारतीय सशस्त्र बलों के प्रति अपना आभार व्यक्त किया। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी के पोस्ट पर लिखा, प्रिय भारतीय सेना, इन मुश्किल परिस्थितियों में मैं आप सभी को आपके अटूट साहस, बलिदान और समर्पण के लिए दिल से धन्यवाद देना चाहती हूं। भारत की सुरक्षा व संप्रभुता सुनिश्चित करने के लिए आपकी लगातार की जा रही कोशिशें नजरअंदाज नहीं की जा सकती। देश मुश्किल हालातों से गुजर रहा है, ऐसे समय में भारतीय सैनिकों की हिम्मत और समर्पण आम लोगों को प्रेरणा और सकारात्मक उम्मीद दे रही है। गर्व और सम्मान के साथ भारत की रक्षा करने और मजबूती से खड़े रहने के लिए आपका धन्यवाद। हम भारत और सशस्त्र बलों की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करते हैं! हमारे असली हीरो! जय हिंद! वहीं एक्ट्रेस शिवालिका ओबेरॉय ने इंस्टाग्राम पर ऑपरेशन सिंदूर को लेकर पोस्ट शेयर किया था। पोस्ट पर लिखा था, जब किसी महिला के सामने उसके पति को मार दिया जाता है, तो पूरा देश केवल शोक नहीं करता, बल्कि जाग उठता है। आज ये दोनों महिला अधिकारी विंग कमांडर व्योमिका सिंह और कर्नल सोफिया कुरैशी केवल फौजी अफसर की तरह नहीं बोलींज् बल्कि वे प्रतीक बन गईं उन हर महिलाओं की, जिन्होंने अपने दु:ख को शक्ति में बदला, उन हर माताओं की, जिन्होंने अपने बच्चों को राष्ट्र सेवा के लिए भेजा। ऑपरेशन सिंदूर बदला नहीं है, यह एक चेतावनी है: जब भारत के दिल पर चोट की जाती है, तो दुर्गा उठ खड़ी होती है। इस बार, वह दुर्गा आशीर्वाद देने नहीं, बल्कि बदला लेने के लिए आ रही है। भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद की कार्रवाई को लेकर कई सितारे अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। बता दें कि अब भारत और पाकिस्तान की तरफ से सीजफायर का ऐलान कर दिया गया है।

केसरी चैप्टर 2 का ट्रेलर तेलुगू भाषा में हुआ रिलीज

23 मई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी फिल्म

अक्षय कुमार के बॉक्स ऑफिस खेल को अजय देवगन की फिल्म रेड 2 ने भले ही कुछ समय के लिए बिगाड़ा हो लेकिन खिलाड़ी ने अभी हार नहीं मानी है। दरअसल, वह हिंदी के बाद अब केसरी चैप्टर 2 को तेलुगू भाषा में भी रिलीज करने वाले हैं, जिसका ऐलान कुछ ही दिन पहले उन्होंने सोशल मीडिया पर कर लिया था। इससे पहले अब केसरी 2 का तेलुगू ट्रेलर दर्शकों के बीच आ चुका है। अक्षय ने सोशल मीडिया पर लिखा, उन्होंने गोलियां चलाईं, उसने सच के साथ जवाबी फायरिंग की। केसरी चैप्टर 2 का तेलुगू ट्रेलर रिलीज हो गया है। तेलुगू भाषा में यह फिल्म 23 मई को सिनेमाघरों में आ रही है। इस पर एक यूजर ने लिखा, ये फिल्म न सिर्फ हिंदी और तेलुगू, बल्कि हर भाषा में रिलीज होनी चाहिए, क्योंकि ये हर भारतीय का गर्व है। एक कमेंट है, अब साउथ में धमाच मचाएगी अक्षय और आर माधवन की जोड़ी। देशभक्ति और ऐतिहासिक घटना को लेकर बनी केसरी 2 ने दर्शकों के बीच खास पहचान बना ली है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। हालांकि, रेड 2 से इसकी कमाई जरूर प्रभावित हुई। ऐसे में अब केसरी 2 के निर्माताओं ने एक बड़ा कदम उठाया है। इस फिल्म को अब तेलुगु दर्शक भी मिलेंगे। अक्षय ने फिल्म को तेलुगू में रिलीज करने का एक ऐसा दांव खेला है, जो बॉक्स ऑफिस का पूरा गणित बदल सकता है। केसरी 2 1919 के जलियांवाला बाग हत्याकांड के इर्द-गिर्द की भयावह घटनाओं को दिखाती है। इसमें अक्षय निडर वकील सी. शंकरन नायर बने हैं, जिन्होंने अदालत में ब्रिटिश राज को चुनौती दी और सच्चाई बताने की मांग की। केसरी 2 के निर्देशक करण सिंह त्यागी हैं, वहीं करण जौहर इसके निर्माता हैं। अनन्या पांडे और माधवन ने भी इसमें अहम भूमिका निभाई है। सिनेमाघरों में कमाई करने के बाद यह फिल्म मई के अंत तक जियो हॉटस्टार पर रिलीज होगी। अक्षय की ये फिल्म अब तक भारत में 100 करोड़ रुपये नहीं कमा पाई है। अगर इसे एक सप्ताह का समय और मिलता, तो शायद यह 100 करोड़ क्लब में शामिल हो जाती। हालांकि, इसी बीच अजय रेड 2 लह्य आए, जिसके बाद से लगातार केसरी 2 की कमाई में गिरावट देखने को मिली। अक्षय की फिल्म के लिए रेड 2 काल बनकर बॉक्स ऑफिस पर आई। केसरी 2 ने भारत में अब तक 90 करोड़ रुपये कमाए हैं।

व्हाइट टॉप और डेनिम में मोनालिसा का स्टाइलिश अंदाज़, एक्ट्रेस की फिटनेस देख मोहित हुए फैंस

भोजपुरी इंडस्ट्री की पॉपुलर एक्ट्रेस मोनालिसा एक बार फिर अपने ग्लैमरस और कॉन्फिडेंट लुक से सोशल मीडिया पर छा गई हैं. हाल ही में मोनालिसा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक बेहद स्टाइलिश तस्वीर शेयर की जिसमें वह व्हाइट स्लीवलेस टॉप और डेनिम जींस में नजर आ रही हैं. इस फोटो में मोनालिसा ने ओपन हेयर और फ्लोरल इयररिंग्स के साथ अपना लुक कंप्लीट किया है. साथ ही उनकी फिटनेस ने फैंस के होश उड़ा दिए हैं. उन्होंने तस्वीर के कैप्शन में लिखा है - लड़की, तुम्हारे पास पहले से ही वो सब है जो चाहिए. इस पोस्ट के बाद फैन्स उनके आत्मविश्वास और लुक की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं. कमेंट सेक्शन में हार्ट और फायर इमोजी की बाढ़ आ गई है. मोनालिसा अपने हर अंदाज़ से फैंस को इम्प्रेस करने में माहिर हैं. कभी ट्रेडिशनल लुक तो कभी वेस्टर्न कैजुअल, उनका हर स्टाइल चर्चा में रहता है. इस लेटेस्ट पोस्ट में उनका सिंपल लेकिन एलिगेंट लुक उनके फैंस को खूब पसंद आ रहा है. मोनालिसा की यह पोस्ट कुछ ही मिनटों में हजारों लाइक्स बटोर चुकी है और फैन्स उन्हें फैशन आइकन बता रहे हैं. मोनालिसा की सोशल मीडिया पर मजबूत मौजूदगी और उनका आत्मविश्वास भरा अंदाज़ उन्हें बाकी एक्ट्रेसेस से अलग बनाता है.

केसरी वीर का रोमांटिक गाना पिघल के पलों में हुआ रिलीज़, सूरज पंचोली और आकांक्षा शर्मा की दिखी जबरदस्त केमिस्ट्री

एक्शन, ड्रामा, और रोमांस का बेहतरीन मिश्रण लेकर आ रही फ़िल्म केसरी वीर का तीसरा गाना, 'पिघल के पलों में, हाल ही में रिलीज़ किया गया है। इस गाने में सूरज पंचोली और आकांक्षा शर्मा के बीच एक बेहद सुंदर और इमोशनल रोमांस दिखाया गया है, जो दर्शकों को अपनी नर्म और प्यारी केमिस्ट्री से छूने में सक्षम है। गाने की खासियत यह है कि इसने फिल्म के ऐतिहासिक और युद्ध आधारित कथानक में एक सुकून देने वाला रोमांटिक पल जोड़ा है, जिससे फ़िल्म में एक भावनात्मक गहराई आ गई है। गाने में सूरज और आकांक्षा के बीच का रोमांस उनके शानदार डांस मूव्स और एक-दूसरे के प्रति सशक्त भावनाओं के जरिए उभर कर सामने आता है। 'पिघल के पलों में को गाया है मशहूर गायकों शान और नीति मोहन ने, जो अपने अद्भुत गायन से गाने में जान डालते हैं। इस गाने के संगीतकार और निर्माता मॉन्टी शर्मा हैं, जिन्होंने गाने को कम्पोज़ किया है, जबकि इसके बोल मॉन्टी शर्मा और संचारी सेनगुप्ता ने लिखे हैं। पैनोरमा म्यूज़िक लेबल के तहत गाना रिलीज़ हुआ है और यकीनन यह दर्शकों को अपनी धुनों में खो जाने पर मजबूर करेगा। गाने के अलावा, फिल्म के ट्रेलर ने भी दर्शकों में फिल्म को लेकर काफी उत्साह पैदा किया है। केसरी वीर 14वीं सदी के गुजरात में स्थित पवित्र सोमनाथ मंदिर की रक्षा के लिए लड़े गए अनसंग योद्धाओं की वीरगाथा पर आधारित है। इस फिल्म में सुनील शेट्टी ने निडर योद्धा वेगड़ा जी की भूमिका निभाई है, जबकि सूरज पंचोली वीर हमीरजी गोहिल के किरदार में नजर आएंगे। आकांक्षा शर्मा फिल्म में एक बहादुर योद्धा रजाल के रूप में दिखेंगी, और विवेक ओबेरॉय एक क्रूर विलेन ज़फ़र के किरदार में। इस भव्य फिल्म का निर्देशन प्रिंस धिमान ने किया है और इसे कानू चौहान द्वारा प्रोड्यूस किया गया है। फिल्म की प्रोडक्शन कंपनी पैनोरमा स्टूडियोज है, और यह 23 मई को वर्ल्डवाइड सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। 'केसरी वीर के ऐतिहासिक कथानक, शानदार अभिनय, और अब इस खूबसूरत रोमांटिक गाने के साथ यह फिल्म दर्शकों को एक अविस्मरणीय सिनेमाई अनुभव देने के लिए तैयार है।

बॉक्स ऑफिस पर 16 दिन से राज कर रही रेड 2, तीसरे शुक्रवार भी बजा डंका

अजय देवगन की फिल्म रेड 2 टिकट खिड़की पर खूब कमाल दिखा रही है। फिल्म ने आते ही बॉक्स ऑफिस पर धमाका कर दिया था और रिलीज के तीसरे हफ्ते भी इसका जलवा बरकरार है। 16वें दिन भी इस फिल्म ने शानदार कमाई की है। छावा के बाद रेड 2 साल 2025 की दूसरी फिल्म है, जिसने बॉक्स ऑफिस पर बढ़िया प्रदर्शन किया है। आइए जानें 16 दिन में यह भारत में कितने करोड़ रुपये का कारोबार कर चुकी है। रेड 2 अपने अच्छे कंटेंट और बढ़िया कलाकारों की दमदार अदाकारी की वजह से दर्शकों को खूब बटोर रही है। छावा के बाद ये इस साल सबसे अधिक कमाई करने वाले दूसरी बॉलीवुड फिल्म बन चुकी है। 1 मई को रिलीज हुई रेड 2 ने तीसरे शुक्रवार को भी बढ़िया कमाई की है। सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने रिलीज के 16वें दिन 3 करोड़ रुपये कमाए हैं। इसी के साथ इसकी कुल कमाई अब 139.35 करोड़ रुपये हो गई है। रेड 2 बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ मजबूत बनाए हुए हैं। फिल्म की कमाई बेशक घटी है, लेकिन ये हर दिन नए-नए रिकॉर्ड भी अपने नाम कर रही है। अब ये अजय की फिल्म सिंघम रिटर्न्स के 140.6 करोड़ के लाइफटाइम कलेक्शन को मात देने से इंचभर दूर है। इसी के साथ ये फिल्म अभिनेता के करियर की 7वीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन जाएगी और फिर इसका लक्ष्य 150 करोड़ का आंकड़ा पार करना होगा। 17 मई यानी शनिवार को सिनेमाघरों में टॉम क्रूज की मिशन इम्पॉसिबल 8 सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। न सिर्फ टॉम क्रूज, बल्कि मिशन इम्पॉसिबल फ्रैंचाइजी की दीवानगी भी भारत में खूब है। इसे लेकर बॉलीवुड गलियारों में भी जबरदस्त माहौल बना हुआ है। ऐसे में उम्मीद की जा रही है ये भारत में 20 करोड़ से ज्याद की ओपनिंग ले सकती है। अब देखना होगा कि रेड 2, मिशन इम्पॉसिबल के आगे कैसा प्रदर्शन कर पाती है। रेड 2 के निर्देशन की कमान राज कुमार गुप्ता ने संभाली है, वहीं भूषण कुमार इस फिल्म के निर्माता हैं। जहां फिल्म के विलेन रितेश देशमुख हैं, वहीं वाणी कपूर इसमें अजय की पत्नी के किरदार में हैं। फिल्म में रजत कपूर, सौरभ शुक्ला, सुप्रिया पाठक और अमित सियाल जैसे कलाकार भी नजर आ रहे हैं। रेड 2 साल 2018 में आई रेड का सीक्वल है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सिनेमाघरों के बाद यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

Controversial statement on army officer Sofia Qureshi: Supreme Court strict, minister Vijay Shah's apology rejected, SIT formed

New Delhi: Madhya Pradesh minister Kunwar Vijay Shah, who made objectionable remarks against Indian Army woman officer Colonel Sofia Qureshi, has received a big blow from the Supreme Court. The Supreme Court rejected Shah's apology, calling it crocodile tears and ordered the formation of a three-member SIT (Special Investigation Team) to investigate the matter. The court said - apology is a way of escaping, shameful comment During the hearing, the Supreme Court bench made a sharp remark and said, sometimes apologies are made just to escape. The kind of vulgar, indecent and thoughtless words you spoke are not expected not only from a minister but also from a responsible citizen.

The court also clarified that in such cases, mere apology is not enough but judicial investigation is necessary so that a message is sent to the society that in a democracy, language also has a Lakshman Rekha. What did Vijay Shah say? The controversy started on May 11 at a Halma event held in Mhow of Indore district. Speaking from the stage, minister Vijay Shah allegedly said: They beat our Hindus by stripping them and Modi ji sent their sister to their house to beat them up... Our sisters were made widows, so now the sister of their caste will come and strip them naked... The remarks came after a joint press conference was held by Colonel Sofia Qureshi, Wing Commander Vyomika Singh and Foreign Ministry Secretary Vikram Misri after the Indian Army carried out a cross-border mission as part of Operation Sindoor. Operation Sindoor: A symbol of the dignity of the army

Operation Sindoor was a bold action of the Indian Army, which was considered a major achievement in terms of national security. Women officers played a leading role in this operation, which brought a feeling of pride and respect across the country. In such a situation, an indecent and racial-sexist remark made by a minister on a female officer associated with the operation was considered an attack on the dignity of not only the army but also the society. Meaning of SIT investigation: The SIT formed by the Supreme Court will consist of three senior Judiciary officials who will conduct an independent and impartial investigation into the matter. The formation of SIT is rare in such cases and it shows that the judiciary is taking this matter very seriously. Political reaction: Opposition parties have also reacted strongly to this entire episode. Congress has termed it as BJP's anti-women mentality, while BJP has not yet issued any official statement. However, the party leadership is said to be uncomfortable with this statement internally because this issue has now reached the national platform and it has hurt the sentiments of the army and women officers. This matter is not just about a controversial statement but a test of accountability and dignity in democracy. When a public representative loses his dignity of words, it is not just a personal mistake but it becomes a question mark on the system. This attitude of the Supreme Court can set an example in the future regarding the limits and responsibility of political expression.

VHP Gau Raksha Aayam handed Met Gaya SSP, Demands Stops Cow Smuggling

Sanjeew Jayaswal

GAYA : A delegation of Vishwa Hindu Parishad Gau Raksha Aayam handed over a memorandum to Gaya Senior superintendent of police Anand Kumar . The memorandum includes with demands to stop the killing of cows during Bakrid and the smugglers involved in illegal smuggling of cows. Strict instructions should be given to all the officers to immediately stop the illegal purchase, sale, transportation and slaughter of cows. Special monitoring and patrolling should be done in animal markets and sensitive areas. Checkposts should be established on the borders of the district to prevent illegal transportation of cows. Animal transport vehicles should be thoroughly checked with the help of veterinarians. Strict action should be taken against the culprits for violating the law. All municipal bodies, block offices, panchayats and village level officers should be ordered to strengthen the local information system. It is expected from the Animal Husbandry Department that it should widely publicize the rules and form a departmental monitoring team. Vishwa Hindu Parishad and the entire Hindu society request you to take necessary action soon to protect the peace, culture and religious sentiments of the district of Hindu society so that a strict ban on cow slaughter can be implemented and Gaya ji can set an example in the field of cow protection. On this occasion, the delegation included Area Cow Protection Chief Shashank Shekhar, State Cow Protection Chief Ravindra Kumar Rai, Department Organization Minister Suraj Pratap, and Joint Secretary of Rishabhdev Foundation Gaushala Neha Kumari.

India's economic strike on Bangladesh, land ports closed, gave a blow of 770 million dollars

New Delhi: After the Pahalgam terrorist attack, along with taking strict action against Pakistan, India has now come into action mode against those countries which are considered close to Pakistan and China. Now the name of Bangladesh has also been added to this list. India has made a big economic strike on Bangladesh and has imposed a strict ban on trade through its land ports. This decision can cause a huge blow to Bangladesh of about 770 million dollars (9,367 crore Bangladeshi Taka). Due to the closure of the land route, there is a jam at the land ports. Trucks are standing with loaded goods.

Recently, anti-India comments were made by Mohammad Yunus, a representative of Bangladesh in China, after which the Indian government took a tough stand. Due to this, India withdrew the transshipment facility given to Bangladesh on 9 April 2025. This was the same facility under which Bangladesh used to export goods to the Middle East and Europe through Indian ports and Delhi airport. India has now completely closed land ports for Bangladeshi goods such as readymade garments, processed foods and plastic products. According to new instructions from the Directorate General of Foreign Trade, these products can now be imported into India from Bangladesh only through two sea ports - Kolkata and Nhava Sheva (Maharashtra). According to the latest report of the Global Trade Research Initiative, Bangladesh will have to suffer huge losses due to this decision of India. The report states that till now about 93% of the total trade between India and Bangladesh came from land ports. The closure of these ports will not only increase the cost of exports, but it will also have a direct impact on Bangladesh's most profitable export route. According to a global report, the annual value of readymade garments alone is about $618 million, which will now reach India only through two sea ports. Closure of land ports directly means - transport costs will increase, delivery time will increase and market competitiveness will decrease. This will have a huge impact on Bangladesh's export economy.

YouTuber Jyoti Malhotra's Instagram account suspended, had more than 1.31 lakh followers

Hisar: The Instagram account of Jyoti Malhotra, a 33-year-old YouTuber and travel blogger from Hisar in Haryana, who was arrested on charges of spying and sharing information for Pakistan's intelligence agency (ISI), has been suspended. She had more than 1.31 lakh followers on Instagram. Hisar police arrested Jyoti on May 17 and produced her in court, from where she was sent on five-day police remand. Hisar Superintendent of Police (SP) Shashank Kumar Sawan had told the media on Sunday that modern warfare is no longer limited to borders. Pakistani intelligence agents are trying to promote their propaganda by recruiting social media influencers. Based on inputs from central agencies, Jyoti was arrested from New Agrasen Colony, Hisar. Jyoti has travelled to Pakistan several times and once to China. She was in touch with Pakistani operatives. According to the police, Jyoti's YouTube channel 'Travel with Jo' is popular with 3.77 lakh subscribers and she has 1.31 lakh followers on Instagram. Investigation revealed that she had traveled to Pakistan in 2023 after obtaining a visa through commission agents. There she met Pakistani High Commission official Ehsan-ur-Rahim alias Danish, who has been recently expelled from India. SP Sawan clarified that so far no evidence has been found of Jyoti having direct access to important military or defence information. However, Hisar is a strategic location, and even small information can be important for the enemy country. The police are thoroughly investigating Jyoti's financial transactions, social media accounts and video content. A team of cyber experts is analysing her videos to get important clues. The investigation also revealed that Jyoti tried to present a positive image of Pakistan and promote propaganda against India through social media. She used encrypted platforms such as WhatsApp, Telegram and Snapchat to communicate with Pakistani agents.

CM Mamata Banerjee loves Pakistan more: Agnimitra Paul

Kolkata: A grand Tiranga Yatra was taken out from Keshtpur to Haldiram in Kolkata on Sunday under the leadership of West Bengal BJP President Sukanta Majumdar. A large number of BJP workers and common citizens participated in this yatra. On this occasion, Asansol South MLA Agnimitra Paul launched a scathing attack on the Mamata Banerjee government and the Trinamool Congress. Agnimitra Paul said that whenever the country goes through any crisis, 140 crore Indians stand with the country. For us, the nation is paramount. But for Mamata Banerjee and TMC, Pakistan seems more important.

Agnimitra Paul said that everyone knows that Pakistan is our enemy country, but there are some people in the country who wear the mask of being Indian and express their love for Pakistan. These people betray the country in the name of secularism. It is very important to identify such people and be cautious of them. Targeting Mamata Banerjee, he said that when Pakistan's water supply was stopped, Mamata Banerjee raised questions. Questions were also raised on the Pulwama and Balakot incidents. Even today, many TMC leaders are giving anti-national statements, while the whole country is standing with Prime Minister Modi. Today, Tiranga Yatra is being taken out across the country. People are coming out with the tricolor in support of the army, the nation and the Prime Minister. We thank the Prime Minister that the country is united under his leadership. Let us tell you that Tiranga Yatra is being taken out across the country to celebrate the valour and bravery of the Indian Army।

Akshara Singh reached Mirzapur temple of Vindhyavasini Devi, had darshan of the goddess

Mumbai: Bhojpuri film industry's successful actress Akshara Singh is seen immersed in devotion these days. The actress reached the Shaktipeeth Vindhyavasini Devi temple in Mirzapur, Uttar Pradesh, where she took the blessings of the goddess after having darshan. Sharing the pictures on her Instagram handle, the actress told fans that she visited the temple and took blessings of the goddess. The actress wrote in the caption, while returning from the event in Prayagraj, I had the darshan of Maa Vindhyavasini. In the pictures shared, Akshara was seen wearing a pink colored saree and carrying the offerings to the goddess in her hands. She was also seen applying roli on her forehead. Earlier, the actress had reached Kashi Vishwanath temple in Varanasi, information about which she gave on the social media platform Instagram. The actress mentioned the temple priest Shrikant Sharma in the caption and wrote, the shooting of the film 'Rudra Shakti' has been completed. On this occasion,

I had the privilege of worshipping Rudra. The experience of worshipping in the presence of our Maharaj Shrikant ji is something else. Last month, Akshara Singh had reached Pitambara Peeth in Datia, Madhya Pradesh, where she had darshan of Mother Pitambara, the goddess of royalty. In the pictures shared on Instagram, the actress was seen wearing a pink colored saree and holding prasad in her hand. She was also seen wearing a tilak of roli on her forehead and a garland of marigold flowers around her neck which she received as prasad. Devotees from all over the country come to visit the temple of Maa Pitambara located in Datia district of Madhya Pradesh. This Peeth is one of the most important pilgrimage centers of the state, where devotees from all over the country come. Pitambara Devi is considered to be the destroyer of enemies and the goddess of royal power. Devotees who wish for royal power worship her. Former Prime Minister Jawaharlal Nehru, Indira Gandhi, Atal Bihari Vajpayee, Defence Minister Rajnath Singh and many other political leaders have visited this Siddha Peeth to seek blessings of the Goddess with the hope of success in politics. It is believed that by visiting here, wishes are fulfilled and one gets the pleasure of royal power.

Horrible accident on Mumbai-Goa highway, car lost control and fell into the river; 5 people died

Raigad: A tragic road accident has taken place on the Mumbai-Goa National Highway in Maharashtra. A speeding car lost control and fell into the Jagbudi river. In this horrific accident, at least five people travelling in the car died on the spot, while the car driver is said to be seriously injured. According to the police, all the people in the car were going from Mumbai to Devrukh. As soon as the information about the accident was received, the local police and rescue team reached the spot and started relief and rescue work. The injured driver has been sent to the hospital for treatment. At present the cause of this accident is not known. The police have registered a case and are investigating further. Earlier, a violent clash broke out between two families in Mumbai's Borivali area over an old rivalry. The clash escalated so much that both sides attacked each other with sharp weapons. Three people died in this bloody conflict, while many people are reported to be injured. This incident happened late in the evening. As soon as the incident was reported, the police reached the spot and controlled the situation. Giving information about the incident, Joint CP of Mumbai Police Satyanarayan Chaudhary said that the bodies of the deceased have been sent for post-mortem and the injured are being treated at Shatabdi Hospital. The police have registered a case of cross-murder in this matter and are investigating it thoroughly.

Supreme Court's big decision, retired judges from High Court will get one rank, one pension

New Delhi: The Supreme Court on Monday gave a historic verdict on the pension of retired High Court judges. The Supreme Court has ordered one rank, one pension for retired judges from the High Court. This verdict was given by the bench of CJI Justice BR Gavai. The bench of CJI Justice BR Gavai said in its verdict, no matter what is the source of their initial appointment, whether it is from the district judiciary or from among the lawyers, they should be given a minimum pension of Rs 13.65 lakh per year. The Supreme Court said in its decision that we believe that the family members of additional judges will also get all the benefits that the families of High Court judges get. The government will give the full pension of Rs 15 lakh per year to the retired Chief Justice of the High Court. Along

with this, the retired High Court judges and additional judges will be given the full pension of Rs 13.6 lakh per year. He further said, whether the judges are made from lawyers or have come to the High Court from the district judiciary, they will get full pension. Family pension and widow benefits will have to be given equally to both the families of judges and the families of additional judges. In its verdict, a bench headed by Chief Justice BR Gavai said the Centre will follow the principle of one rank, one pension for all judges, irrespective of which high court they are serving in. Let us tell you that Justice BR Gavai has recently become the 52nd Chief Justice of India. After becoming the CJI, he has given a historic decision for the retired judges of the High Court. Gavai is the second Dalit Chief Justice of the country. Before him, Justice K.G. Balakrishnan held this post. Justice Balakrishnan became the Chief Justice of the Supreme Court in the year 2007. According to the information given on the official website of the Supreme Court, Justice Bhushan Ramakrishna Gavai entered the world of advocacy on March 16, 1985. From 1987 to 1990, he practiced as an independent lawyer in the Bombay High Court, and thereafter mainly argued various cases before the Nagpur Bench.